Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पताः- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 239 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, बुधवार 19 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

बिहार में अब 12 करोड़ का पुल उद्घाटन से पहले गिरा, देखते-देखते नदी में समाया पुल

अररिया। बिहार में एक बार फिर से पुल हादसा हुआ है। उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त होकर नदी में समा गया। घटना अररिया जिला के सिकटी प्रखंड की है। यहां करोड़ों की लागत से बकरा नदी के पड़रिया घाट पर बना पुल अचानक नदी में समा गया। मंगलवार दोपहर करीब दो बजकर पांच मिनट में यह हादसा हुआ। 182 मीटर का पुल कुल तीन हिस्सों में बना था। दो पाए के साथ दो हिस्सा नदी में समा गया। इधर, घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस पुल का निर्माण पहले बने पुल के एप्रोच कट जाने के बाद कराया गया था। लोगों का आरोप है कि पुल के निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल किया गया था इसलिए पुल उद्घाटन से पहले ध्वस्त हो गया। लोगों का कहना है कि हाल में ही पुल के एप्रोच पथ को बहाल करने के विभाग की विभाग की ओर कवायद शुरू की गई थी। लेकिन, उससे पहले यह हादसा हो गया। अररिया के सांसद और विधायक ने ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई की बात कही।

अररिया के सिकटी प्रखंड में उद्घाटन से पहले ही पुल ध्वस्त हो गया। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क निर्माण योजना के तहत बने इस पुल की लागत 7.79 करोड़ रुपये थी।

किसान, मजदूर, नारी-शक्ति और गरीब भारत के मजबूत आधार स्तंभ

दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर हो कोई न कोई भारतीय खाद्यान्न- पीएम मोदी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना

वर्ष भर आय देने वाली फसलों का किया जाए उत्पादन: मंत्री बृजमोहन अग्रवाल

किसान सम्मान निधि: छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए अंतरित

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में आज आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत छत्तीसगढ़ के 23.59 लाख से अधिक किसानों के बैंक खातों में 483.85 करोड़ रूपए डीबीटी के माध्यम से अंतरित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के किसानों को विभिन्न कृषि उत्पादों का उत्पादन करना चाहिए। दुनिया के सभी घरों के डायनिंग टेबल पर भारतीय खाद्यान्न का कोई न कोई खाद्यान्न उत्पाद होना चाहिए, तभी इस देश के किसान को उन्नत किसान कहा जा सकेगा।

वर्चुअल कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कृषि निर्यात में और वृद्धि हो ऐसे कदम भविष्य में उठाये जाएंगे। किसानों को प्राकृतिक खेती हेतु आगे कदम बढ़ाना चाहिए। किसानों के सम्मान बढ़ाने और आय को दोगुनी करने के लिए सरकार निरंतर सकारात्मक प्रयास कर रही है। किसान, मजदूर, नारी-शक्ति और गरीब भारत के मजबूत आधार स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि खेती को नई दिशा देने में महिलाओं की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता। कृषि सखी के रूप में खेती को एक नई ताकत देने के लिए पूरे देश के महिला समूहों को इससे जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत देश के 3 करोड़ से अधिक परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए गए है। आने वाले दिनों में इन परिवारों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाएगा। इसी तरह 'नमो ड्रोन दीदी योजना' के तहत देश के 3 करोड़ महिलाओं को करोड़पति दीदी बनाने की पहल शुरू हो गई है।

गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत आज 17वीं किश्त जारी की। इस योजना के तहत देश के 9 करोड़ 26 लाख से अधिक लाभार्थी किसानों को 20 हजार करोड़ रुपए सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की गई।

राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री श्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि और किसानों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रहा है। प्रदेश में अब किसान जैविक खेती की ओर बढ़ रहे हैं। जैविक खेती से न केवल स्वास्थ्य में सुधार होगा अपितु खेतों की मिट्टी की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होगी। किसानों को अब सिर्फ धान की फसल ही नहीं अपितु वर्ष भर आय देने वाली फसल दलहन, तिलहन, फल-फूल, हार्टीकल्चर, पशुपालन, मत्स्य पालन आदि का भी फसल लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज और औषधि फसल को भी व्यापक रूप में बढ़ावा देना चाहिए।

कृषि विभाग, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय और कृषि विज्ञान केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय जैविक कृषक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए मृदा एवं फसल प्रबंधन और उद्यानिकी फसलों के बारे में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विस्तार से जानकारी दी।

नीट विवाद- सुप्रीम कोर्ट का एनटीए को नोटिस :कहा- धोखाधड़ी से डॉक्टर बना व्यक्ति खतरनाक

2015 में ऐसी ही टिप्पणी कर एआईपीएमटी रद्द की थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट विवाद में अब राजनीतिक पार्टियां भी प्रदर्शन कर रही हैं। आप नेताओं ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। वहीं, हैदराबाद और कोलकाता में भी राजनीतिक संगठन सड़कों पर उतरे।

सुप्रीम कोर्ट में नीट यूजी विवाद पर ग्रेस मार्क्स से जुड़ी याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। अदालत ने कहा, 'अगर किसी की ओर से 0.001त्न भी लापरवाही हुई है तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। बच्चों ने परीक्षा की तैयारी की है, हम उनकी मेहनत को नहीं भूल सकते हैं।'

बेंच ने सरकार और एनटीएम से यह भी कहा कि कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है, वह समाज के लिए और भी ज्यादा खतरनाक है। इससे पहले 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह की टिप्?पणी कर ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट की परीक्षा रद्द की थी।

तब कोर्ट का कहना था, 'एक भी फर्जी डॉक्टर बनता है तो पूरी परीक्षा रद्द होनी चाहिए। इस बात के सबूत हैं कि परीक्षा में इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन कितने स्टूडेंट्स ने इसका इस्तेमाल किया, ये नहीं कहा जा सकता। ऐसे में परीक्षा रद्द करना जरूरी है।'

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस एसवी भट्टी की वैकेशन बेंच ने इस मामले से जुड़ी 4 याचिकाओं को 8 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया गया है। वकीलों से भी उसी दिन सभी मामलों पर बहस करने के निर्देश दिए हैं। 4 जून को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने नीट का रिजल्ट घोषित किया था। पहली बार ऐसा हुआ है जब 67 कैंडिडेट को 720 में से 720 नंबर मिले हैं।

जस्टिस नाथ (वकील से) : आप सभी मामलों पर 8 को बहस करें। याचिकाकर्ता के वकील : मैं केवल यह अपील कर रहा हूं कि जांच कहां तक पहुंची उसका स्टेटस बताया जाए।

जस्टिस नाथ ने कहा कि सभी पार्टीज को मामले से जोड़ा जाए, इसे 8 जुलाई को लिस्ट करें। एनटीएम और सरकार भी 2 हफ्ते में जवाब देगी। जस्टिस भट्टी कहा कि अगर किसी से भी लापरवाही हुई है तो उससे पूरी तरह निपटा जाना चाहिए। स्पष्ट रूप से हम प्रतिक्रिया करते हैं, लेकिन छुट्टियों में यह थोड़ा स्लो प्रोसेस होता है।

याचिकाकर्ता कहा कि उन्हें जांच को रिकॉर्ड पर रखना चाहिए।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, किरण-श्रुति चौधरी का इस्तीफा, भाजपा में होंगी शामिल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव शुरू होने से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगने वाला है। लोकसभा चुनाव में बेटी को टिकट नहीं मिलने के बाद से पार्टी के खिलाफ मुखर कांग्रेस विधायक किरण चौधरी व उनकी बेटी पूर्व सांसद श्रुति चौधरी ने मंगलवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने सभी समर्थकों को दिल्ली में पहुंचने के निर्देश दिए हैं। वह दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा में शामिल होंगी। इस दौरान सीएम नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रह सकते हैं। किरण अपनी बेटी श्रुति के लिए भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट से कांग्रेस से टिकट मांग रही थी, मगर पार्टी ने उनकी जगह महेंद्रगढ़ से कांग्रेस विधायक राव दान सिंह को टिकट दिया। हालांकि चुनाव में उनकी हार हुई। उसके बाद राव दान सिंह ने बिना नाम लिए चौधरी पर भितरघात का आरोप लगाया था। वहीं , किरण इसका विरोध जताते हुए कहा कि यदि टिकट सही से बंटी होती तो कांग्रेस यहां से चुनाव जीत सकती थी।

मुख्यमंत्री साय बने किसान: खेतों में बीज छिड़काव कर खेती-किसानी का शुभारंभ

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज एक प्रेरणादायक कदम उठाते हुए अपने गृह ग्राम बगिया में किसान की भूमिका निभाई। उन्होंने पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन करते हुए मानसून की शुरुआत के साथ ही अपने पुश्तैनी खेतों में धान की बोनी का शुभारंभ किया। यह दृश्य न केवल ग्रामीणों के लिए उत्साहजनक था, बल्कि पूरे राज्य के किसानों के लिए एक प्रेरणा स्रोत भी बना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने खुद धान की बीज को अपने हाथों से खेतों में बिखेरा। इस मौके पर पारंपरिक वस्त्र और पगड़ी पहने हुए मुख्यमंत्री ने किसानों के साथ जुड़ाव और उनकी समस्याओं के प्रति अपने संवेदनशीलता का प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने खेतों में बीज छिड़काव से पहले पारंपरिक पूजा-अर्चना भी की, जो जशपुर और सरगुजा अंचल के किसानों की पुरानी परंपरा है। इस परंपरा के अनुसार, परिवार का मुखिया पहले बीज छिड़कता है और उसके बाद परिवार के अन्य सदस्य उसका अनुसरण करते हैं।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर कहा, खेती-किसानी हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। मैं भी एक किसान परिवार से हूं और खेती-किसानी की परंपराओं को जीवित रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि हमारे किसान आधुनिक तकनीक का उपयोग करते हुए अपनी उपज को बढ़ाएं, लेकिन साथ ही अपनी पारंपरिक विरासत को भी बनाए रखें।

यह पहल न केवल पारंपरिक कृषि पद्धतियों को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, बल्कि इससे यह भी संदेश मिलता है कि मुख्यमंत्री किसानों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को समझते हैं। हाल ही में, मुख्यमंत्री श्री साय ने कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर राज्य में बेहतर खरीफफसल के लिए जरूरी तैयारियों की समीक्षा की थी। उन्होंने अधिकारियों को किसानों के लिए खाद-बीज की पर्याप्त व्यवस्था करने और कृषि में तकनीक के अधिक प्रयोग पर जोर दिया था। मुख्यमंत्री की इस पहल ने राज्य के किसानों में एक नई उम्मीद जगा दी है। बगिया गांव के किसानों ने कहा, मुख्यमंत्री जी का हमारे साथ खेतों में काम करना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे हमें प्रेरणा मिलती है और यह दिखाता है कि वे वास्तव में हमारी समस्याओं को समझते हैं।

पांच लाख अप्रवासियों के मिल सकती है अमेरिकी नागरिकता, राष्ट्रपति चुनाव से पहले जो बाइडन करेंगे बड़ी घोषणा

वॉशिंगटन(एजेंसी)। राष्ट्रपति जो बाइडन अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासियों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। बता दें अमेरिका में इस वर्ष राष्ट्रपति चुनाव भी होने हैं। दरअसल इससे पहले बाइडन ने इस महीने की शुरुआत में अप्रवासन को लेकर सीमा पर आक्रामक नीति अपनाई थी। इस वजह से कई डेमोक्रेटिक सांसद नाराज हो गए थे। अब बाइडन के इस कदम को अपनी आक्रामक नीति को संतुलित करने के कदम के तौर पर देखा जा रहा है। व्हाइट हाउस की तरफसे इस बारे में एक आधिकारिक बयान जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि आने वाले महीनों में अमेरिका में रह रहे अप्रवासियों को स्थाई नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी। इससे पांच लाख से ज्यादा अप्रवासियों को राहत मिल सकती है। अमेरिकी नागरिकता हासिल करने के लिए कुछ नियम भी बनाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार नागरिकता के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति बीते 10 वर्षों से अमेरिका में रह रहा हो।

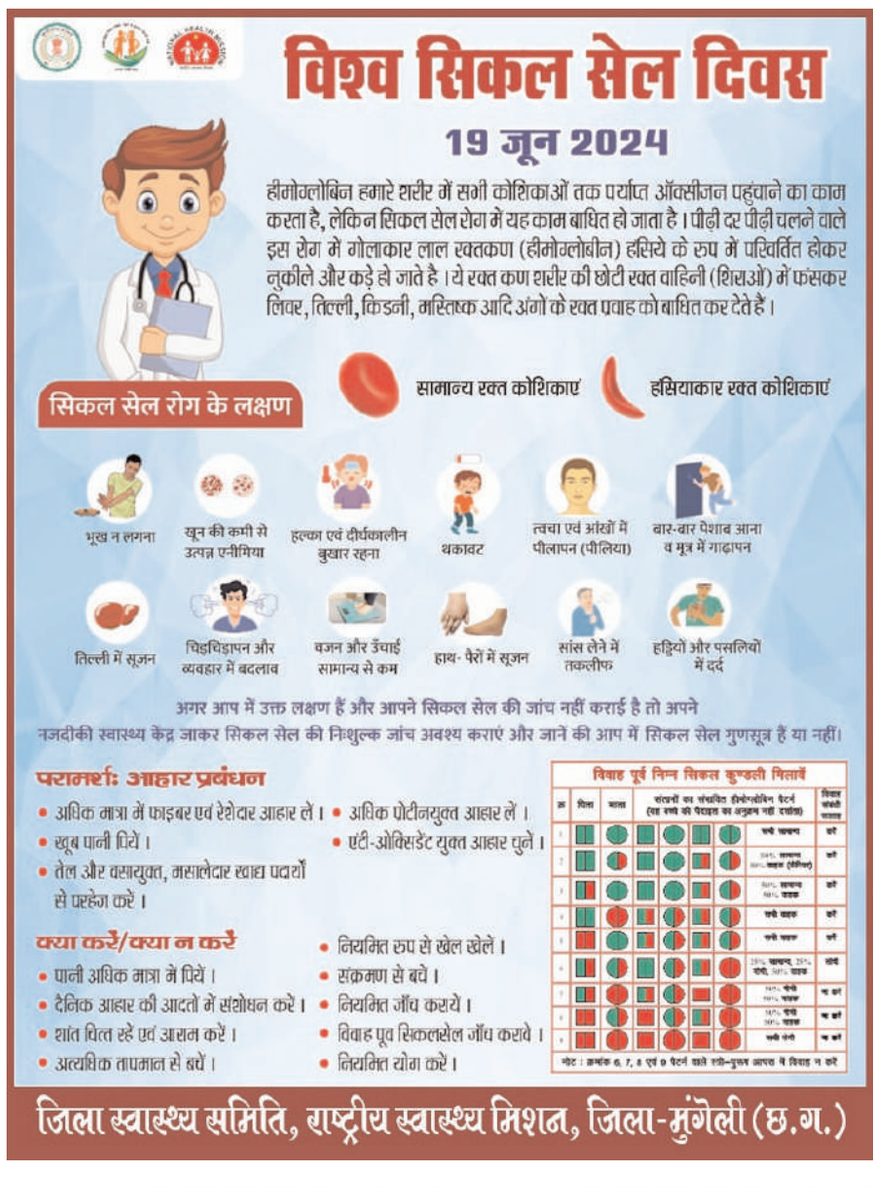

प्रदेश की भाजपा सरकार कानून व्यवस्था संभालने में विफल- : कांग्रेस

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बलौदाबाजार के ग्राम महकोनी में जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ में संतोषप्रद कार्यवाही न होने के चलते सामाजिक संगठन द्वारा निकाली रैली के दौरान उग्र प्रदर्शन से जिला कार्यालय व पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में हुई आगजनी से सैकड़ों दो पहिया वाहन व चार पहिया वाहन एवं शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंची है, जिसको लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी बलौदाबाजार में घटित उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी के तारतम्य में शहर जिला कांग्रेस व ग्रामीण कांग्रेस के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार 18 जून को एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया।

जानकारी देते हुए शहर कांग्रेस महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के आव्हान पर कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर की उपस्थिति, शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा व ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू के संयुक्त नेतृत्व में मंगलवार 18 जून को महावीर चौक फ्लाई ओवर के नीचे धरना-प्रदर्शन कर कांग्रेसजनों ने प्रदेश की लचर कानून व्यवस्था के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर भाजपा सरकार को जमकर कोसा व निंदा की।

कार्यक्रम प्रभारी व पूर्व विधायक वरिष्ठ कांग्रेसी श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि संतों को मानने वाले समाज सतनामी समाज के जैतखांम को तोड़ा गया है उन आरोपियों पर कायर्वाही कर अपना न्याय मांग रहे थे, किन्तु छत्तीसगढ़ सरकार कोई कार्यवाही न कर निर्दोष ग्रामीणों को फंसाया गया, जिस पर समाज द्वारा आक्रोशित होकर धरना-प्रदर्शन किए, किन्तु वहां पर कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया गया। श्रीमती चंद्राकर ने सरकार पर सवाल पूछते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करने वाली भीड़ जब कलेक्टोरेट में आ रही थी तो पुलिस प्रशासन क्या कर रही थी, जब प्रदर्शन उग्र हो रहा था, तो भीड़ को रोकने के बजाए पुलिस अफसर हाथ में हाथ धरे क्या कर रहे थे।

पूर्व मंत्री धनेश पाटिला ने कहा कि सतनामी समाज हमेशा से शांति का पक्षधर रहा है। गुरू घासीदास जी के मनखे-मनखे एक समान का अक्षरश: पालन करता रहा है। समानता और शांति का संदेश देने वाले पवित्र गिरौधपुरी धाम में जैतखांम को खंडित करना और उस पर प्रशासनिक एवं पुलिस की उचित कार्यवाहीं नहीं होने के कारण सम्मेलन का आयोजन किया गया था, इसकी आड़ में असामाजिक तत्वों द्वारा यह घृणित कृत्य किया गया। हम किसी भी प्रकार के हिंसा के खिलाफ है। ग्रामीण कांग्रेस अध्यक्ष भागवत साहू ने धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि छग में भाजपा की सरकार आते ही छग के इतिहास में पहली बार इस तरह की घटना घटी है,ए सतनामी समाज शांति एवं अहिसा के पक्षधर समाज है शांति के प्रतीक है। प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस पर समय रहते ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण सम्मेलन की आड़ में असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़फोड़ व आगजनी की गई। हम इसकी उचित न्याय की मांग करते है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा ने धरना-प्रदर्शन में प्रदेश की विष्णुदेव साय की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अदूरदर्शिता, लापरवाही और नाकामी का परिणाम है कि बलौदाबाजार के ग्राम महकोनी के जैतखाम के अपमान व तोड़फोड़ में संतोषप्रद कार्यवाही नहीं हो पाना। बीते 15 मई को हुई इस घटना के समय जैतखाम को क्षति पहुंचाने वाले पर कार्यवाही की गई होती और आहत समाज से संवाद किया गया होता तो इस तरह की अप्रिय घटना सामने नहीं आती।

श्री श्याम सेवा समिति पिथौरा द्वारा निर्जला एकादशी पर राहगीरों को पिलाया गया शरबत

बसना(समय दर्शन)। श्री श्याम सेवा समिति के सदस्यों द्वारा सतत रचनात्मका पहल के साथ छत्तीसगढ़ उड़ीसा के विभिन्न स्थानों में जरूरतमंद लोगों की सेवा करते हुए अपनी श्रद्धा को समर्पित भाव से प्रकट कर रहे हैं। श्री श्याम बाबा के दरबार में शीश चुकाने का पुण्य प्राप्त होता है । वह पुण्य लोगों की सेवा से भी प्राप्त होता है । इस तारतम्यत मे भठली से कोरबा,रायगढ़,सारंगढ, सरायपाली, बसना और पिथौरा मे श्री श्याम बाबा के दीवाने लगातार सेवा कार्यों के माध्यम से सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रम व अनुष्ठान करती रहती है। इस तारतम्य में श्री श्याम सेवा समिति पिथौरा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी निर्जला एकादशी के शुभ अवसर पर भीषण गर्मी में राहगीरों को ठंडी शरबत पिलाया गया। श्री श्याम जी का असली नाम बर्बरीक था जो कि, घटोत्कच और अहिलावती के पुत्र थे जिन्होंने श्री कृष्ण को दिये अपनी वचन के मुताबिक अपने शीश का दान दिया और श्री कृष्ण के वचन के अनुसार वे वर्तमान में श्री श्याम बाबा के नाम से जाने जातें हैं ।

इनके भक्तों की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। श्री श्याम बाबा की प्रेरणा से पिथौरा मे अनेक आयोजन होने लगे हैं।शरबत वितरण कार्यक्रम में

श्री श्याम समिति के बजरंग अग्रवाल, गजेंद्र अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, राजू अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, शशांक अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, बजरंग अग्रवाल, आयुष सिंघल, कान्हा अग्रवाल, अंशु अग्रवाल व सदस्यों ने सेवायें दी।

सात दुकान संचालकों की प्रतिपूर्ति राशि समपृहत

दुर्ग (समय दर्शन)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में निर्धारित तिथि तक राशन सामग्री का भंडारण करना अनिवार्य होता है, ताकि समय पर राशनकार्डधारी राशन का उठाव कर सकें। आगामी माह का राशन भंडारण करने के लिए पूर्व माह की 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से नागरिक आपूर्ति निगम के प्रदाय केन्द्रों में डीडी जमा करना होता है या निर्धारित राशि नेफ्ट करना होता है। शा.उ.मू. दुकान के संचालकों के द्वारा समय पर राशि जमा किये जाने की नियमित रूप से मानिटरिंग की जाती है। उक्त जानकारी देते हुए खाद्य नियंत्रक श्री सी.पी. दीपांकर ने बताया कि माह जून 2024 के लिए 10 मई 2024 तक निर्धारित राशि का डीडी जमा नहीं करने वाले कुल 10 दुकान संचालकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। 18 जून 2024 खाद्य नियंत्रक के समक्ष में उक्त दुकान संचालकों की सुनवाई की गई तथा निर्धारित समय पर डीडी जमा नही करने के कारण दुकान संचालकों के द्वारा जमा की गई प्रतिभूति राशि समपृहत की गई। कुल 07 दुकान संचालकों का दुकान आई डी- 431004262, 431004118, 431004190, 431004245, 431004246, 431004206 तथा 431004192 से 5000-5000 रूपए, 431004238 से 4000 रूपए, 431004137 से 2500 रूपए तथा 431004203 से 2000 रूपए की राशि समपृहत की गई।

लोगों के मांगों एवं समस्याओं का सूक्ष्मता से परीक्षण कर उनके निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश

बालोद (समय दर्शन)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने कलेक्टर जनदर्शन कार्यक्रम में पहुँचे लोगों के मांगों एवं समस्याओं का सूक्ष्मता से परीक्षण कर उनके निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जिले के आम नागरिक आशा और विश्वास के साथ अपने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु कलेक्टर जनदर्शन में पहुँचते हैं। इसलिए हम सभी अधिकारियों की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि उनके समस्याओं को पूरी गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनकर उसका निराकरण सुनिश्चित की जाए। श्री चन्द्रवाल संयुक्त जिला कार्यालय के जनदर्शन कक्ष में आज आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में जिले के विभिन्न स्थानों से पहुँचे लोगों से बारी-बारी से मुलाकात कर उनके मांगों एवं समस्याओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तलब कर जनदर्शन में पहुंचे लोगों के समस्याओं के निराकरण हेतु त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। जनदर्शन में आज अर्जुंदा निवासी श्री तुलसी बाई ने राशन कार्ड बनाने, ग्राम कंवर निवासी श्रीमती सुमित्रा ने प्रधानमंत्री आवास निर्माण, खुर्सीटिकुर निवासी श्रीमती रानी बाई ने अपने जमीन का सीमांकन करने, डोंगीतराई निवासी श्रीमती दुलारी बाई ने वृद्धावस्था पेंशन दिलाने, डौण्डीलोहारा निवासी श्री चिंताराम ने अपने मोहल्ला में हैण्डपंप खनन कराने, बोरिद निवासी श्री ओमप्रकाश ने ऋण पुस्तिका बनाने, फरदफोड़ निवासी श्री किशुन ने अपने निजी भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए अपना आवेदन प्रस्तुत किया।

निपुण भारत कार्यक्रम प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के निर्देशानुसार गरियाबंद विकासखण्ड मे भी निपुण भारत कार्यक्रम के तहत 4 दिवसीय एफएल एन प्रशिक्षण का दूसरा चरण 3 केंद्रों पर आयोजित किया गया।पूरे विकास खण्ड को 3 जोन में बांटकर यह प्रशिक्षण दिया गया। जिसमे नहरगांव में दो प्रशिक्षण केंद्र और गरियाबन्द में एक प्रशिक्षण केंद्र है।जिला शिक्षाधिकारी ए.के.सारस्वत के कुशल मार्गदर्शन में गरियाबन्द विकासखंड में आयोजित इस एफएल.एन.प्रशिक्षण के दूसरे चरण के समापन में नहरगांव प्रशिक्षण केंद्र में विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी आर.पी. दास,विकासखण्ड स्रोत समन्वयक तेजेश शर्मा, प्रभारी प्राचार्य पीपरछेड़ी बसन्त द्विवेदी विशेष रूप से उपस्थित थे।इस अवसर पर अपने उदबोधन में विकासखंड शिक्षाधिकारी दास ने कहा कि यह प्रशिक्षण बहुत ही महत्त्वपूर्ण है इसका परिणाम हमे स्कुलो में दिखना चाहिये,यह प्रशिक्षण अन्य प्रशिक्षणों से अलग है। पहले ऑनलाइन फिर अब ऑफलाइन प्रशिक्षण देने का उद्देश्य यही है।श्री दास ने शाला प्रवेशोत्सव,न्योता भोज, किचन गार्डन,पंजी संधारण,डेली डायरी,पाठ्यक्रम निर्धारण आदि विषय पर विस्तृत चर्चा की। विकासखंड स्रोत समन्वयक श्री शर्मा ने निपुण भारत अभियान के तहत आयोजित इस चार दिवसीय प्रशिक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि भाषा शिक्षण की बुनियादी डिजाइन,मौखिक भाषा विकास,एफएल.एन. कक्षाओं में ध्वनि जागरूकता,डिकोडिंग कार्य योजना,लेखन विकास के कार्य,गणित पाठ योजना के चारो ब्लाक में बच्चो को पारगंत करना,नवा जतन, पुस्तकालय के महत्व,जादुई पिटारा आदि के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स के रूप में अशोक तिवारी, सन्तराम भैसवाड़े,लोकेश सोनवानी,दल प्रसाद साहू, मिनेन्द्र बंजारे,पुनीत राम साहू,किरण ध्रुव,थानेश्वरी ठाकुर,पुष्पासाहू ने प्रशिक्षण दिया।साथ ही प्रशिक्षण को सफल बनाने में अनूप महाडिक,प्रशांत डबली,खेमराज यादव,अशोक साहू,मनोज चंद्राकर,डिगेश्वर साहू,डी के .साहू,गीता शरनागत, इंदरप्रीत कुकरेजा, सरिता देवांगन सहित समस्त संकुल समन्वयकों एवं शिक्षक शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

बालोद जिले के 01 लाख 22 हजार 289 किसानों के खातों में 24 करोड़ 66 लाख रुपये की राशि अंतरित

प्रधानमंत्री ने किसानों के खाते में किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत 17वीं किस्त की राशि का किया अंतरण

अपने खाते में राशि जमा होने से जिले के किसान हुए प्रसन्नचित, किसान हितैषी योजना की सराहना की

बालोद(समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उत्तरप्रदेश राज्य के वाराणसी शहर में आयोजित समारोह के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत देश के किसानों के खाते में 17वीं किस्त की राशि का अंतरण किया गया। इसके अंतर्गत आज बालोद जिले के 01 लाख 22 हजार 289 किसानों के खातों में 24 करोड़ 66 लाख रुपये की राशि का अंतरण किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना को अत्यंत महत्वाकांक्षी एवं किसान हितैषी योजना बताया। उल्लेखनीय है कि जिले के बालोद विकासखण्ड के ग्राम अरौद स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में जिला स्तरीय प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के राशि अंतरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाज सेवी श्री पवन साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्री राकेश यादव, जिला पंचायत कृषि स्थाई समिति के सभापति श्रीमती ललिता पिमन, जनपद पंचायत बालोद के अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता साहू, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कृतिका साहू एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. संजय कन्नौजे, एसडीएम श्रीमती शीतल बंसल एवं उप संचालक कृषि श्री जीएस धुर्वे सहित अन्य अधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में कृषकगण उपस्थित थे। आज इस योजना के माध्यम से अपने खाते में राशि जमा होने से बालोद जिले के किसान बहुत ही प्रसन्नचित नजर आ रहे थे। उन्होंने इस योजना को किसानों के लिए अत्यंत मददगार एवं किसान हितैषी बताते हुए इस योजना की भूरी-भूरी सराहना की है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री पवन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू कर देश के अन्नदाता किसानों के मेहनत का सम्मान करने का कार्य किया है। उन्होंने इस योजना को अत्यंत महत्वकांक्षी एवं किसानों के लिए मददगार बताते हुए इस योजना की भूरी-भूरी सराहना की है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने जिले के किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत उनके खाते में आज राशि अंतरित होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस योजना की सराहना करते हुए इस योजना को किसान हितैषी योजना बताया।

श्री चन्द्रवाल ने कहा कि यह हमारे जिले के लिए हर्ष का विषय है कि इस योजना के अंतर्गत किसानों के खाते में राशि अंतरण में पूरे प्रदेश में हमारा जिला दूसरे स्थान पर है। इस अवसर पर उन्होंने जिले के किसानों को धान के बदले दलहन एवं तिलहन फसल लेने की भी अपील की।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई की मासिक बैठक संपन्न

बसना(समय दर्शन)। छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन पिथौरा इकाई की मासिक बैठक का आयोजन अमित गौतम प्रदेश अध्यक्ष एवं बलराज नायडू जिला अध्यक्ष के मार्गदर्शन में स्थानीय पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष बलराज नायडू ने सभी पत्रकारों से संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से विचार-विमर्श किया। बैठक में सर्व समिति से आगामी जुलाई माह में धरती को बचाने के लिए वर्षा ऋतु पर शासकीय कार्यालय स्कूल कॉलेज व अन्य जगहों पर यूनियन के द्वारा पौधरोपण करने का विचार किया गया । बैठक के दौरान गौरव चंद्राकर ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि,किसी भी पत्रकार को रिपोर्टिंग में कोई परेशानी होती है, तो संस्था हमेशा पत्रकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी है। कार्यक्रम के अंत मे संगठन के कार्यकारिणी सदस्य एवं पदाधिकारियों को यूनियन का नवीनीकरण आई कार्ड वितरित किए गए। इस बैठक में मुख्य रूप से बलराज नायडू जिला अध्यक्ष, आनंद अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष, गौरव चंद्राकर ब्लॉक अध्यक्ष, जिला कार्यकारिणी संतराम कुर्रे, संतोष गुप्ता, रमेश श्रीवास्तव, गोविंद शर्मा, ब्लॉक पदाधिकारी लोकनाथ खुटे, चंद्रशेखर प्रभाकर, राजेश साव, कमलेश डडसेना, राजा बाबू उपाध्याय, राजकुमार अग्रवाल, बद्री प्रसाद दुबे, खगेश्वर साहू, युवराज चौहान, नरेश कोसरिया मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मिडिल स्कूल अरेकेल के शिक्षक प्रेमचन्द साव का गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज

बसना(समय दर्शन)। छंदबद्ध संविधान पुस्तक विमोचन व सम्मान समारोह का आयोजन पद्मश्री डॉ.श्याम सिंह शशि,पुलिस प्रशासनिक अधिकारी गृह मंत्रालय डॉ.सुरेश सिंह, पूर्व न्यायाधीश डॉ.संतोष खन्ना, वरिष्ठ साहित्यकार डॉ रमा सिंह,डॉ.शकुंतला कालरा,कवि एवं पत्रकार चेतन आनंद,आज तक एडिटर पंकज शर्मा, गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के भारत प्रमुख आलोक कुमार के उपस्थिति में विश्व के प्रथम छंदबद्ध संविधान पुस्तक का विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन हिंदी भवन नई दिल्ली में संपन्न हुआ जिसमें मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण, छत्तीसगढ़ गौरव अवार्ड से सम्मानित शिक्षक एवं साहित्यकार प्रेमचन्द साव'प्रेम'को छंदबद्ध संविधान पुस्तक में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 361 से अनुच्छेद 367 पर रोला एवं दोहा छंद में काव्य सृजन सहयोग हेतु प्रतीक चिन्ह, प्रमाण पत्र प्रदान कर गोल्डन बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड से सम्मानित किया गया।इस पुस्तक में विश्व के प्रथम छंदबद्ध भारत का संविधान में मूल संविधान के 395 अनुच्छेद जो 22 भागों में विभाजित 12 अनुसूचियाँ ,जो 2110 दोहे, 422 रोला, 24 अन्य छंदबद्ध कालजयी काव्य ग्रंथ समाहित है।इसमें मिडिल स्कूल अरेकेल के शिक्षक प्रेमचन्द साव'प्रेम' के अलावा डिजेन्द्र कुर्रे 'कोहिनूर',सुकमोती चौहान,मनीलाल पटेल सहित भारत के 18 राज्यों सहित चार अन्य देशों के साहित्यकार शामिल हुए। इस काव्य में 142 सदस्य ,त्रयसंपादक मंडल जिसमें प्रमुख संपादक डॉ ओमकार साहू मृदुल, सहसंपादक डॉ.सपना दत्ता सुहासिनी,सह संपादक डॉ मधु शंखधर स्वतंत्र,जन जागरण समिति प्रेमनगर के अध्यक्ष डॉ रूपेश साहू के अथक प्रयास से यह छंदबद्ध भारत का संविधान 'गोल्डन बुक आफवर्ल्ड रिकॉर्ड' में शामिल किया गया है।

जिला चिकित्सालय में विश्व सिकल सेल दिवस का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 19 जून 2024 को जिला चिकित्सालय दुर्ग में विश्व सिकल सेल दिवस का आयोजन किया गया है। सांसद श्री विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में विधायक श्री गजेन्द्र यादव भी शिरकत करेंगे। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. हेमंत साहू से मिली जानकारी अनुसार देश के प्रधानमंत्री जी द्वारा 01 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय सिकल सेल एनिमिया उन्मूलन प्रारंभ किया गया है। जिसके अंतर्गत 2023 से 2026 तक 0-40 वर्ष आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की सिकल सेल स्क्रीनिंग की जा रही है। स्क्रीनिंग किये गये सभी व्यक्तियों को सिकल सेल जेनेटिक कार्ड प्रदाय किया जा रहा है। सिकल सेल रोग के पहचान, सिकल सेल वाहक तथा रोगियों को प्रेरित करने सिकल सेल संबंधित प्रारंभिक जांच आदि किये जाने हेतु यह दिवस मनाया जाता है। नगरवासियों से अपील की गई कि अधिक से अधिक संख्या में जिला चिकित्सालय आकर नि:शुल्क सिकल सेल का जांच कराये ताकि समय पर बीमारी का पता चल सके तथा सिकल सेल से पीड़ित मरीजों का यथाशीघ्र ईलाज प्रारंभ हो सके।

विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिले के विभिन्न ग्रामों में किया जाएगा नि:शुल्क सिकल सेल जाँच एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन

बालोद (समय दर्शन)। विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर 19 जून 2024 को जिले के विभिन्न ग्रामों में सिकल सेल की स्क्रीनिंग एवं जन-जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती मेनका चन्द्राकर ने बताया कि 19 जून विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर जिले के डौण्डी, डौंडीलोहारा, देवरी, गुण्डरदेही, अर्जुन्दा एवं गुरूर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में नि:शुल्क सिकल सेल जांच किया जाएगा। इसी तरह जिले के जगन्नाथपुर सांकरा, करहीभदर, लाटाबोड, पीपरछेडी, आमाडुला, दल्लीराजहरा (चिखलाकसा), घोटिया, सुरडोंगर, अरजपुरी, भंवरमरा, दुपेचरा, मंगचुवा, नाहंदा, पिनकापार, संजारी, सुरेगांव, बेलौदी, भरदाकला, गुरेदा, कलंगपुर, खुरसुनी, कुरदी, माहुद (बी), रंनचिरई, सांकरी, सिरसिदा, अरमरीकला, बोरदा, पलारी एवं पुरूर उप स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीम के द्वारा सिकल सेल की जांच नि:शुल्क किया जाएगा।

छह सूत्रीय शर्तों के अधीन संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक का नगद भुगतान की अनुमति कलेक्टरों को दी है

तेंदूपत्ता संग्राहकों मिलेगा नकद भुगतान, वन मंत्री ने दी अनुमति

रायपुर। बस्तर के तीन जिलों में लगातार उठ रही मांगो को लेकर तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए अब राहत की खबर निकलकर आई है। बीजापुर सुकमा और नारायणपुर जिले में अंदरूनी इलाकों के तेंदूपत्ता संग्रहकों के द्वारा तेंदूपत्ता का नगद भुगतान की मांग लगातार उठ रही थी और वनमंत्री से लेकर वन विभाग के आल्हा अफसर तक संग्राहकों के द्वारा पत्राचार कर मांग की जा रही थी।

जिस पर वन मंत्री केदार कश्यप की पहल से आखिरकार तेंदूपत्ता संग्राहकों की मांग पर मुहर लग गई। अपर सचिव ने सुकमा, बीजापुर और नारायणपुर के लिए छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के प्रबंध संचालक को आदेश जारी किया है। जिसमें छह सूत्रीय शर्तों के अधीन संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक का नगद भुगतान की अनुमति कलेक्टरों को दी है।

बता दें कि बस्तर भर में तेंदूपत्ता वन उपज की खरीदी संग्राहकों के माध्यम से की जाती है। जहां हितग्राही तेंदूपत की तोड़ाई कर उसे सरकार द्वारा तय किए गए ठेकेदारों को बेचा जाता है , इन हितग्राहियों का पारिश्रमिक तेंदूपत्ता हितग्राहियों के खाते में किया जाना होता है।

लेकिन सुकमा बीजापुर नारायणपुर जिले के ज्यादातर इलाकों में बैंक में खाता न होना, नेटवर्क , बैंक की दूरी, आवागमन और अशिक्षित होना की वजह से हितग्राहियों को खाते में पैसा लेने में काफी दिक्कतों का सामना उठाना पड़ता है। जिसको लेकर लगातार हितग्राहियों के द्वारा मांग रखी जा रही थी कि उन्हें नगद भुगतान किया जाए इससे पहले भी कई बार हितग्राहियों की मांग पर उन्हें नगद भुगतान किया जाता था।

लेकिन नगद भुगतान की स्थिति में कई बार अशिक्षित हितग्राहियों तक उनका पूरा हक नहीं पहुंच पाता जिस वजह से पैसों के हेरफेर का भी अंदेशा बना रहता है । इन सब को ध्यान में रखते हुए अपर सचिव ने 6 शर्तों के अधीन नगद भुगतान की अनुमति दी है।

जानिए क्या है शर्तें...

1. नगद भुगतान के लिए कौन से संग्राहक पात्र होंगे इसका निर्धारण कलेक्टर द्वारा किया जाएगा।
2. प्रत्येक प्रकरण का नगद भुगतान कलेक्टर की अनुमति से होगा।
3. समस्त नगद भुगतान की कार्यवाही जिला कलेक्टर के पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण से संपन्न होगी।
4. प्रत्येक जिले में जिला कलेक्टर तथा वन मंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक जिला यूनियन द्वारा आपसी समन्वय से प्रस्तावित क्षेत्र के अंतर्गत है बाजार या अन्य उपयुक्त स्थान पर कैंप का आयोजन कर संबंधित संग्राहको को तेंदूपत्ता संग्रहण कार्ड में उचित प्रविष्टि कर नगद भुगतान करते हुए पावती प्राप्त करेंगे । नगद भुगतान के पूर्व पर्याप्त प्रचार प्रसार किया जाएगा और नगद भुगतान से संबंधित समस्त कार्य की पूर्ण वीडियोग्राफी करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा।
5. संबंधित जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में उपरोक्त कैंप के दौरान संग्राहकों को आवश्यकता अनुसार आधार कार्ड जारी करने बैंक खाता खुलवाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें इस हेतु सीएससी स्थानीय बैंक आदि से आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाएगा।
6. संग्राहकों के द्वारा प्राप्त बैंक खाता विवरण के अनुरूप संग्राहक सर्वेक्षण सॉफ्टवेयर तेंदूपत्ता पेमेंट सॉफ्टवेयर में आवश्यक पंजीयन आदि जिला यूनियन तथा कस के माध्यम से कराया जाना सुनिश्चित किया जाएगा।

इन शर्तों के अधीन तत्काल भुगतान प्रदान कर 15 दिन के भीतर पूर्ण किए जाने हेतु अपर सचिव के एल मांझी ने प्रबंध संचालक को निर्देश दिया है।

खिलाड़ियों ने स्व ज्ञान चंद लुनिया स्मृति टेबल टेनिस प्रतियोगिता में दिखाया दम

विशाल डेकाटे, सुरभि मोदी, कवीश काला और समाया पांडे बने विजेता

रायपुर। राजधानी टेबल टेनिस संघ जिला रायपुर द्वारा आयोजित स्व ज्ञान चंद लुनिया स्मृति- तृतीय रायपुर जिला मंथली लीग टेबल टेनिस प्रतियोगिता-2024 का समापन 16 जून को सप्रे शाला टेबल टेनिस हाल में हुआ। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों में खिलाड़ियों ने भाग लिया और अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ की तकनीकि समिति के चेयरमेन अरविंद कुमार शर्मा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजधानी टेबल टेनिस संघ जिला रायपुर के कोषाध्यक्ष शिशिर गुप्ता ने की। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टेबल टेनिस संघ के उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, राजधानी टेबल टेनिस संघ, जिला रायपुर के सचिव विनय बैसवाड़े एवं मुख्य निर्णायक पी.एन. मजूमदार उपस्थित थे।

विजेता और उपविजेता: प्रतियोगिता में विभिन्न वर्गों के विजेता और उपविजेताओं की घोषणा की गई:

सीनियर पुरुष वर्ग: विजेता: विशाल डेकाटे उपविजेता: एंड्रयू टी विलियम्स तृतीय स्थान: अर्जुन मल्होत्रा - अन्य स्थान: यशवंत डेकाटे, शैलेष डागा, रामजी कुमार, गिरिराज बागड़ी, कवीश काला

सीनियर महिला वर्ग: विजेता: सुरभि मोदी - **उपविजेता: आहना सिंह - **तृतीय स्थान: समाया पांडे - अन्य स्थान: लावण्या पांडे, आरना खोटेले, वेदी कच्छवाहा, रेणुका सुब्बा, आन्या काला

सब जूनियर (अंडर-15) बालक वर्ग: विजेता: कवीश काला उपविजेता: नैतिक अग्रवाल तृतीय स्थान: आर्यन सिंह - अन्य स्थान: राघव तिवारी, श्रेष्ठ मिश्रा, विहान अग्रवाल, अद्विक सिंह सेंगर, आरव आहुजा - सब जूनियर (अंडर-15) बालिका वर्ग विजेता: समाया पांडे उपविजेता: आहना सिंह तृतीय स्थान: वेदी कच्छवाहा - अन्य स्थान: लावण्या पांडे, माहविश अंसारी, माहविन अंसारी प्रतियोगिता के मुख्य निर्णायक पी.एन. मजूमदार थे और सहायक निर्णायक तरुण राठोड़ एवं अरुण बावरिया थे। इस अवसर पर गिरिराज बागड़ी, अंतर्राष्ट्रीय अंपायर प्रवीण निरापुरे, अजीत बेनर्जी, बी. चंद्रा, कु. जया साहू, हेमराज डेकाटे, प्रियंक पांडे, अनुप तांडी, श्रीमती अग्रवाल एवं अन्य सदस्य, प्रशिक्षक, खिलाड़ी, पालक उपस्थित थे।

सीसीपीएल किसी भी मायने में आईपीएल से कम नहीं : अरुण साव

सीसीपीएल का फाइनल देखने पहुंचे उप मुख्यमंत्री साव

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव रविवार की शाम नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) का फाइनल मुकाबला देखने पहुंचे। छत्तीसगढ़ में पहली बार आयोजित इस लीग का फाइनल मैच रायपुर रायनोस और बिलासपुर बुल्स के बीच खेला गया, जिसमें रायपुर रायनोस की टीम चैंपियन बनी।

उप मुख्यमंत्री साव के स्टेडियम पहुंचने पर दर्शकों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। साव ने हाथ हिलाकर वहां मौजूद दर्शकों का अभिवादन किया। उप मुख्यमंत्री साव ने सीसीपीएल के फाइनल मुकाबले में कहा कि यह आयोजन किसी भी मायने में आईपीएल से कम नहीं है। इसमें खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौका

मिल रहा है। इससे निश्चित ही छत्तीसगढ़ से नई प्रतिभाएं सामने आएंगी। साव ने कहा कि फाइनल मुकाबला देखने के लिए 20 हजार से ज्यादा दर्शक पहुंचे हुए हैं। यह लीग और राज्य के खिलाड़ियों के प्रति उनके अपार प्रेम को दर्शाता है। डिप्टी साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी शशांक सिंह ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में अपने खेल से खूब धूम मचाई थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीसीपीएल छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के लिए आईपीएल जैसे बड़े प्लेटफॉर्म्स में खेलने का रास्ता खोलेगा। इससे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन होगा। सीसीपीएल के निर्देशक बलदेव सिंह भाटिया और विजय शाह, गर्वनिंग काउंसिल के चैयरमैन प्रमोद शंकर शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ के अध्यक्ष जुबिन शाह और सचिव मुकुल तिवारी भी इस दौरान मौजूद थे।

कबीरधाम में युवतियों की तस्करी पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रही सरकार : सुशील

रायपुर। कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में महिलाएं फिर से असुरक्षित हो गई हैं। उन्होंने विशेष रूप से उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के गृह जिले कबीरधाम में बड़े पैमाने पर मानव तस्करी की घटनाओं की ओर इशारा किया।

मानव तस्करी का बड़ा मामला

सुशील आनंद शुक्ला ने बताया कि 8 जून को राजनांदगांव रेलवे स्टेशन पर कबीरधाम जिले की 16 युवतियों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने अपने संरक्षण में लेकर सखी सेंटर राजनांदगांव के हवाले किया। इन युवतियों में से अधिकांश कवर्धा के कुकदुर थाना क्षेत्र के ग्राम कामठी, कंठी, पिपरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मानिकचौरी, केजेदहा, सिंघनपुरी, लोहारा थाना क्षेत्र के ग्राम गंगापुर, उड़ियाकला और पंडरिया थाना क्षेत्र के ग्राम प्रतापुर की थीं।

उप मुख्यमंत्री पर आरोप

कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से कबीरधाम जिले में कानून व्यवस्था की स्थिति बेहद खराब हो गई है। उन्होंने उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा को मानव तस्करी के लिए नैतिक जिम्मेदार ठहराया है, जिनके पास गृह विभाग की जिम्मेदारी है। शुक्ला ने आरोप लगाया कि जिले में हत्या और तस्करी की घटनाएं बढ़ रही हैं, लेकिन जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

मामले में कोई कार्रवाई नहीं

शुक्ला ने आरोप लगाया कि विजय शर्मा, जो सामान्यत: शासकीय विभागों में हस्तक्षेप करते हैं, युवतियों की तस्करी के मामले में कोई रुचि नहीं दिखा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सोलह युवतियों को ले जाते पकड़े गए युवक उमेश चंद्राकर को बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया और मामले को रफा-दफा कर दिया गया।

कांग्रेस ने कबीरधाम जिले की गायब युवतियों की तलाश के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। शुक्ला ने सवाल उठाया कि गृह मंत्री आखिर मानव तस्करी के मामले में क्यों अरुचि दिखा रहे हैं और इस पर कोई कार्रवाई क्यों नहीं हो रही है।

गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना

प्रदेश में धीमा हुआ मानसून, रायपुर में दो दिन और इंतजार

रायपुर। मानसून को लेकर छत्तीसगढ़ के लिए मौसम विभाग द्वारा किए गए सभी दावे धराशायी होते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिस तरीके से केरल में एक दिन पहले मानसून ने दस्तक दी थी और जिस गति से यह आगे बढ़ रहा था, उस हिसाब से अब तक मानूसन को रायपुर से आगे निकल जाना चाहिए था, लेकिन अब भी मानसून सुकमा और बीजापुर में ही अटका हुआ है। मौसम विज्ञानी के अनुसार सोमवार को प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, जबकि दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अच्छी वर्षा होने की संभावना जताई जा रही है। वहीं रायपुर को अब भी दो से तीन दिन का और इंतजार करना पड़ेगा। इसके बाद ही मानसून की सक्रिय स्थिति की घोषणा कर पाना मौसम विभाग के लिए संभव होगा।

सोमवार को प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं, जबकि एक दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने के भी संकेत हैं।

रविवार को प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा देखने को मिली, जिसमें तोकापाल और अंबिकापुर में दो सेमी, कोटा, अकलतरा, बिल्हा, बिलासपुर, पथरिया, भाटापारा, पोड़ी-उपरोड़ा व तखतपुर में एक सेमी वर्षा दर्ज की गई।

वहीं राजधानी में मौसम मेघमय रहा और बादलों की आंख मिचौली जारी रही।नप्रदेश में सर्वाधिक तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस पेंड्रा रोड में, जबकि न्यूनतम तापमान 23.1 डिग्री सेल्सियस नारायणपुर में दर्ज किया गया।

तीन दिनों में तीन डिग्री तक गिरेगा तापमान- मौसम विभाग के अनुसार 17 जून से मानसून की गतिविधियां बढ़ने की संभावनाएं बन रही हैं, जिसकी वजह से अगले दो से तीन दिनों में मध्य व दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट होने के संकेत दिखाई दे रहे हैं। वहीं राजधानी में सोमवार को आकाश आंशिक मेघमय रहने के आसार हैं और गरज-चमक के साथ अंधड़ चलने की भी संभावनाएं बन रही हैं। साथ अधिकतम तापमान 40 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने के संकेत हैं।

मानसून अंबिकापुर समय से पहुंचने के आसार- आदर्श स्थिति में मानसून के जगदलपुर पहुंचने की स्थिति 11 जून रहती है, जबकि पहले से ही मानसून तीन से चार दिन विलंब हो चुका है। वहीं, रायपुर की आदर्श स्थिति 16 जून की है, जहां विलंब होना तय माना जा रहा है। इसी बीच अंबिकापुर में इसके समय से पहुंचने की संभावनाएं जताई जा रही हैं। इसके पीछे तर्क है कि मानसून अन्य राज्यों यानी कि महाराष्ट्र, ओडिशा में अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है, जबकि छत्तीसगढ़ में यह विलंब से ही चल रहा है।

यह बन रहा सिस्टम- दक्षिण पश्चिम मानसून की उत्तरी सीमा नवसारी, जलगांव, अमरावती, चंद्रपुर, बीजापुर, सुकमा, मलकानगिरी, विजयनगरम और इस्लामपुर है। मानसून को आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई है, अगले चार-पांच दिनों में प्रदेश और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के पहुंचने की संभावना है। एक पूर्व पश्चिम द्रोणिका बिहार से मेघालय तक 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। प्रदेश में 17 जून को कुछ स्थानों पर (25त्न से 50त्न स्थानों पर) स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। वहीं 18 जून से दक्षिण छग के कुछ और भाग में मानसून सक्रिय होने की संभावना है।

संक्षिप्त समाचार

कामधेनु लिमिटेड छत्तीसगढ़ में अपनी स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी को और मजबूत करेगा

रायपुर (समय दर्शन)। भारत की सबसे बड़ी निर्माता और रिटेल में ब्रांडेड टीएमटी बार की विक्रेता, कामधेनु लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ में स्ट्रक्चरल स्टील सेगमेंट की बाजार हिस्सेदारी को और मज़बूत करने के लिए अपनी व्यापार रणनीति की घोषणा की। इस रणनीति के अनुसार, कंपनी अगले एक वर्ष में राज्य में अपने स्ट्रक्चरल स्टील की उत्पादन क्षमता को 2,75,000 मीट्रिक टन से बढाकर, 3,96,000 मीट्रिक टन करने की योजना बना रही है। कामधेनु ने गुणवत्ता वाले निर्माण सामग्री के निर्माता और आपूर्तिकर्ता के रूप में खुद को प्रमुख बना लिया है जो उपभोक्ताओं के लिए किफायती मूल्य स्तर पर है। इसके अलावा, कंपनी राज्य में अपने डीलर और वितरक नेटवर्क को भी मजबूत करने की योजना बना रही है और अगले एक वर्ष में 270 और डीलर और वितरक जोड़ने की योजना है। वर्तमान में, कंपनी के पास राज्य में संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट के लिए लगभग 550 डीलर और वितरकों का नेटवर्क है। कामधेनु लिमिटेड के निदेशक, श्री सुनील अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ कामधेनु लिमिटेड के विकास के लिए महत्वपूर्ण बाजार है जहां इंफ्रास्ट्रक्टर और निर्माण उद्योग के लिए बहुत सारी संभावनाएं हैं। कामधेनु संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट में पहले से ही देश में मजबूत मौजूदगी रखता है और इस विस्तार रणनीति के साथ, हम राज्य में एक ठोस बाजार हिस्सेदारी को पकड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। यह हमारी संरचनात्मक इस्पात सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी को बढ़ाने की हमारी संपूर्ण रणनीति के साथ मेल खाता है।

महिंद्रा ने मध्यप्रदेश में लॉन्च किया अपना क्रांतिकारी 6आरओ पैडी वॉकर ट्रांसप्लांटर

मुंबई - महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर (एफईएस), जो महिंद्रा समूह की इकाई है, और दुनिया की सबसे बड़ी ट्रैक्टर निर्माता कंपनी है, ने मध्यप्रदेश में महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर नामक एक नया 6 रो धान ट्रांसप्लांटर लॉन्च किया है। मध्यप्रदेश में 4आरओ वॉक बिहाइंड ट्रांसप्लांटर (एमपी461) और 4आरओ राइड-ऑन (प्लांटिंग मास्टर पैडी 4आरओ) की सफल शुरुआत के बाद, नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर चावल की रोपाई तकनीक के क्षेत्र में महिंद्रा की मौजूदगी को और बढ़ाएगा, जहाँ कंपनी पहले से ही बाजार में अग्रणी है। धान एक प्रमुख फसल है और मध्यप्रदेश अपने विश्व स्तरीय चावल के लिए प्रसिद्ध हैं। यह प्रदेश चावल मशीनीकरण तकनीकों को अपनाने वाला पहला राज्य है, जहाँ राज्य के कई हिस्सों में उच्च गुणवत्ता वाला चावल उगाया जाता है। नया समाधान जल संरक्षण को संभव बनाता है। साथ ही पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है और इसके इस्तेमाल से अन्य श्रम-गहन तकनीकों की तुलना में कम श्रम लागत आती है। दूसरी तरफयह चावल की खेती से संबंधित समग्र लाभप्रदता में भी सुधार करता है। नया महिंद्रा 6आरओ पैडी वॉकर उत्कृष्ट ऑपरेटर दक्षता प्रदान करता है और इसे सटीक और कुशल रोपाई के लिए इंजीनियर किया गया है, जो धान की खेती में नए मानक स्थापित करता है। मैन्युअल रूप से संचालित, नया ट्रांसप्लांटर डिज़ाइन में कॉम्पैक्ट है और सीमित स्थानों में संचालित करने में आसान है। यह एक ही बार में छह पंक्तियों में एक साथ समान रोपाई करने में सक्षम है। पावर, विश्वसनीयता और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, नए धान प्रत्यारोपण यंत्र में अत्यधिक टिकाऊ गियरबॉक्स और 4-लीटर की क्षमता वाला शक्तिशाली इंजन है। यह उच्च उत्पादन और कम ईंधन खपत की गारंटी देता है, धान की खेती में उत्पादकता को अधिकतम करता है, साथ ही एक्सटेंडेड सर्विस इंटरवेल की सुविधा भी देता है।

हायर इंडिया ने फ़ीनिक्स के साथ अपनी डायरेक्ट कूल रेंज का किया विस्तार, रेफ्रीजरेटर की आधुनिक डिज़ाइन से युक्त प्रीमियम ग्लास डोर सीरीज़

रायपुर। लगातार 15 सालों से नंबर 1 ग्लोबल मेजर अप्लायंसेज़ ब्राण्ड हायर अप्लायंसेज़ इंडिया अपनी डायरेक्ट कूल रेंज में इनोवेशन की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए लेकर आए हैं प्रीमियम ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर्स की सीरीज़ फ़ीनिक्स। यह डायरेक्ट कूल ग्लास डोर रेफ्रीजरेटर की सबसे व्यापक रेंज लाने वाला उद्योग जगत का एकमात्र ब्राण्ड है, नई सीरीज़ स्लीक एवं प्रीमियम ग्लास डिज़ाइन के साथ किसी भी किचन के लुक को आकर्षक बना देगी। नए रेफ्रीजरेटर 185 लीटर और 190 लीटर में आते हैं और सभी रीटेल चैनलों पर उपलब्ध होंगे। नए लॉन्च किए गए रेफ्रीजरेटर स्टाइल और फंक्शनेलिटी का बेहतरीन संयोजन हैं, जो आधुनिक भारतीय घरों की ज़रूरतों पर खरे उतरेंगे। फ़ीनिक्स रेफ्रीजरेटर आसान स्टोरेज के लिए बेस ड्रॉअर, प्रभावी कूलिंग के लिए डायमण्ड ऐज फ्रीजिंग टेक्नोलॉजी (डीईएफटी) के साथ आते हैं। साथ ही अपने स्टेबिलाइज़र-फ्री संचालन के साथ, यहां तक कि वोल्टेज में उतार-चढ़ाव होने पर भी, बिना रूकावट के बेहतरीन परफोर्मेन्स देते हैं। इस लॉन्च पर बात करते हुए श्री एनएस सतीश, प्रेज़ीडेन्ट, हायर अप्लायन्सेज़ इंडिया ने कहा, ''पिछले सालों के दौरान हमने खासतौर पर अपनी डायरेक्ट कूल सिंगल डोर पेशकश में रेफ्रीजरेटर्स की व्यापक रेंज लेकर आए हैं, इनके माध्यम से हम उन उपभोक्ताओं की ज़रूरतों को पूरा करना चाहते हैं जो अपने घर के लिए प्रीमियम, वाइब्रेन्ट और आकर्षक डिज़ाइन वाले अप्लायन्सेज़ की उम्मीद रखते हैं। हायर इंडिया में हम उपभोक्ता उन्मुख इनोवेशन्स तथा 'मोर क्रिएशन, मोर पॉसिबिलिटीज़' के दृष्टिकोण के साथ ऐसे प्रोडक्ट्स लेकर आते हैं जो उपभोक्ताओं की उम्मीदों पर खरे उतरें। नई फ़ीनिक्स सीरीज़ का लॉन्च हमारी इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें हम आधुनिक भारतीय परिवारों की बदलती पसंद को ध्यान में रखते हुए स्टाइल और फंक्शनेलिटी का सयांजन लेकर आए हैं। हमें विश्वास है कि रेफ्रीजरेटर की नई सीरीज़ अपने आधुनिक फीचर्स और शानदार परफोर्मेन्स के साथ होम अप्लायन्स उद्योग में नए बेंचमार्क स्थापित करेगी।''

संपादकीय

पुलिस की इंट्री आश्चर्य

राजधानी दिल्ली में पानी संकट के बीच पुलिस की इंट्री आश्चर्य पैदा करती है। अब पानी को माफिया से बचाने के लिए पुलिस को ज्यादा चौकस रहना होगा। पानी माफियाओं के बढ़ते दखल के बाद अब कम-से-कम पुलिस को ज्यादा मेहनत करनी होगी। इस बाबत पुलिस फोर्स ने चौकियां स्थापित की हैं और दिल्ली को पानी की आपूर्ति करने वाली नहर के हरियाणा की सीमा पर 15 किलोमीटर के हिस्से पर गश्त शुरू कर दी है। दरअसल, राजधानी इस सीजन में पानी का अभूतपूर्व संकट झेल रहा है। गर्मी की शुरुआत से ही यहां पानी की भारी किल्लत होने लगी थी, मगर न तो दिल्ली की सरकार ने और न केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान दिया। जब तपिश अपने चरम पर पहुंची और जल के लिए त्राहिमाम हुआ तब इधर-उधर से पानी मांगे जाने का प्रपंच शुरू हुआ। वैसे, यह सिर्फ इस सीजन की बात नहीं है। हर साल पानी को लेकर दिल्ली की दुारियां चरम पर रहती है। इस बार ज्यादा गर्मी की वजह से मामला चर्चा में आया। बहरहाल, भले टैंकर माफिया पर नकेल कसने के लिए पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई हो, मगर जो हालात पानी को लेकर दिल्ली की दिखती है उसमें खाकी की भूमिका बहुत ज्यादा नहीं है। उसकी वजह बहुत साफ है। एक तो दिल्ली का अपना पानी का कोई सिस्टम नहीं है। पानी का ज्यादातर हिस्सा यमुना नदी का है। कुछ बोरवेल दिल्ली सरकार ने लगवाए हैं। मगर ये सब कार्य पानी की अभी की स्थिति के सामने बहुत छोटी है। यही वजह है कि पानी के लिए कभी हरियाणा तो कभी उत्तर प्रदेश तो कभी हिमाचल प्रदेश के आगे चिरौरी करनी पड़ती है। अगर दिल्ली को पानी के संकट से निजात पाना है तो उसे सबसे पहले पानी के पूर्व के स्रोतों पर काम करना होगा। इसके अलावा पानी माफिया पर कड़ा रुख दिखाना होगा। पानी की चोरी और उसके बेवजह बह कर बर्बाद होने पर भी नजर रखनी होगी। छोटे-छोटे प्रयास के दम पर ही हम दिल्ली को इस समस्या से उबार सकते हैं। अदालत की चौखट तक जाने से पहले हमें उन पारंपरिक जल स्रोतों पर गंभीरतापूर्वक काम करना होगा। हिमाचल या हरियाणा से पानी मंगाने का चलन अब बंद होना चाहिए। दिल्ली की जनता को भी इस मामले में ईमानदार और सजग रहने की जरूरत है क्योंकि अंततः भोगना उन्हीं को पड़ता है। दिल्ली में पानी की समस्या बड़ी तो है, मगर उतनी बड़ी नहीं कि उसका निदान न हो।

अंदरूनी कलह बड़ी भूमिका निभाई

रजनीश कपूर

हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। %अचानक कहीं कुछ नहीं होता, अंदर ही अंदर कुछ घिस रहा होता है, कुछ पिस रहा होता है।' इन पंक्तियों में कवि ने इस बात पर इशारा किया है कि किसी भी काम का विपरीत अंजाम आने पर हमें ऐसा क्यों लगता है कि ऐसा कैसे हो गया? जबकि उसके पीछे के कारणों पर कोई ध्यान नहीं देता। ऐसा ही कुछ हुआ 2024 के उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों के परिणामों के बादहै। प्रदेश में बीजेपी को पहले के मुक़ाबले इस बार बहुत कम सीटें मिलीं है। ऐसा क्या कारण था कि भाजपा का प्रदर्शन इतना बुरा रहा? जबकि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण,अनुच्छेद 370 के हटने और तीन तलाक़ के मुद्दे थे। ये ऐसे कुछ मुद्दे थे जिन पर भाजपा को पूरा विश्वास था कि वह %अबकी बार 400 पार' के अपने नारे को सच कर दिखाएँगे। परंतु ऐसा नहीं हो सका। ऐसा माना जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। इस बार के चुनावों में उत्तर प्रदेश का जो परिणाम रहा उसने सत्तारूढ़ दल को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि ऐसी कौनसी कमी उनकी नीति मे थी जो वोटरों को अपनी ओर आकर्षित करने में विफल रही? ऐसा क्या हुआ कि पार्टी के कार्यकर्ताओं में वो उत्साह नहीं था जो पिछले दो लोकसभा चुनावों में देखा गया? क्या संगठन के काम करने के ढंग या उनके द्वारा लिये गये ग़लत फ़ैसलों ने ज़मीनी कार्यकर्ताओं को हतोत्साहित किया? क्या उत्तर प्रदेश में या अन्य राज्यों में, जहां भाजपा का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं था वहाँ पर उम्मीदवारों के चयन में गलती हुई? हिंदुओं के तीर्थ अयोध्या, रामेश्वरम में मिली हार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी में पिछली बार के मुक़ाबले बहुत कम अंतर से मिली जीत से कई तरह के सवाल उठते है। इन नतीजों के बाद सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत द्वारा %अहंकार' की ओर इशारा करना भी क्या इस बुरे प्रदर्शन का कारण बना? सूत्रों के अनुसार इस बार के चुनावों कम सीट आने के पीछे भाजपा में अंदरूनी कलह ने भी एक बड़ी भूमिका निभाई। जिस तरह केंद्र के नेतृत्व द्वारा राज्य की सरकारों व राज्यों के नेताओं की उपेक्षा की गई और वो फिर जनता के सामने आई वह भी इन नतीजों का कारण बनी। भाजपा और संघ के बीच हुए मतभेदों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। यदि केंद्र और राज्य के नेतृत्व में कोई मतभेद थे तो उन्हें समय रहते एक मर्यादा के तहत हल किया जाना चाहिए था। भाजपा और संघ के कार्यकर्ताओं का इस बार के चुनावों में सक्रिय योगदान नहीं दिखाई दिया उससे देश भर में एक संदेश गया है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ज़मीन से कट गया है। इस बार के चुनावों को इतने चरणों में बाँटने से भी कार्यकर्ताओं की सहभागिता में कमी नज़र आई। कार्यकर्ताओं को इस बात का पूर्ण विश्वास था कि पिछले दस वर्षों में देश में ऐसे कई बदलाव आए हैं जो तीसरी बार भी मोदी सरकार को पूर्ण बहुमत दिलाएँगे। शायद इसी के चलते भी कार्यकर्ताओं में उतना उत्साह दिखाई नहीं दिया। वहीं दूसरी ओर देखें तो समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके कार्यकर्ताओं ने जिस तरह उत्तर प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर अपनी नज़र बनाए रखी और खूब भागदौड़ की वो काफ़ी फ़ायदेमंद रहा। सपा के उम्मीदवारों का चयन और %इंडिया' गठबंधन के घटक दलों का उन पर विश्वास, दोनों ही इन चुनावों में सही साबित हुए।

पृथ्वी, वायु, भूमि तथा जल हमारे बच्चों की धरोहर है

प्रोफेसर मनोज कुमार

पर्यावरण प्रदूषण वैश्विक संकट बनकर हमारे सामने खड़ा है. ज्यों-ज्यों हम विकास की ओर बढ़ रहे हैं, त्यों-त्यों पर्यावरण प्रदूषण और भी गंभीर होता जा रहा है। हमारी भोगविलासिता और लापरवाही के चलते पर्यावरण संकट में है। यह संकट विश्व के साथ भारत पर भी मंडरा रहा है। प्रति वर्ष विकराल गर्मी इस बात का संकेत है कि पृथ्वी अब हमारा बोझ सहन नहीं कर पा रही है और हम वैकल्पिक उपायों की ओर बढ़ रहे हैं जो पर्यावरण को बचाने में अक्षम है। पर्यावरण संकट को संयुक्त राष्ट्र संघ ने पांच दशक से पहले चिन्ह लिया था और विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला किया। 1972 में संयुक्त राष्ट्र के इस फैसले बरक्स पूरी दुनिया में पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का फैसला लिया था लेकिन पर्यावरण दिवस सबसे पहले स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में मनाया गया। वर्ष 1972 में स्वीडन के शहर स्टाकहोम में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा विश्व का पहला अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें 119 देशों ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यू.एन.ई.पी) का प्रारंभ 'एक धरती' के सिद्धांत को लेकर किया और एक 'पर्यावरण संरक्षण का घोषणा पत्र' तैयार किया जो 'स्टाकहोम घोषणा' के नाम से जाना जाता है।

पर्यावरण शब्द परि+आवरण से मिलकर बना है। 'परि' का आशय चारों ओर तथा 'आवरण' का अर्थ परिवेश से है। चूंकि पर्यावरण में वायु जल भूमि पर पौधे जीव जंतु मानव और इनकी गतिविधियों का समावेश होता है। इसलिए पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण का ध्यान रखना हमारा नैतिक दायित्व बनता है। महात्मा गांधी का मानना था कि पृथ्वी, वायु, भूमि तथा जल हमारे पूर्वजों से प्राप्त सम्पत्तियां नहीं हैं। वे हमारे बच्चों की धरोहरें हैं। वे जैसी हमें मिली हैं वैसी ही उन्हें भावी पीढियों को सौंपना होगा। वन्य जीवन, वनों में कम हो रहा है किन्तु वह शहरों में बढ़ रहा है। गांधीजी कहते थे 'हमारी आवश्यकता की पूर्ति के लिए इस पृथ्वी पर पर्याप्त संसाधन हैं मगर हमारे लालच के लिए नहीं हैं।'

वर्तमान समय में पानी, हवा, रेत मिट्टी आदि के साथ-साथ पेड़ पौधे, खेती और जीव जंतु आदि सभी पर्यावरण प्रदूषण से प्रभावित हो रहे हैं। कारखाने से निकलने वाले अपशिष्टों, परमाणु संयंत्रों से बढने् वाली रेडियोधर्मिता, मल के निकास आदि कई सारे कारणों से लगातार पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रदूषण रोकने के लिए अनेक उपाय लगातार कर रहा है। औद्योगीकरण और शहरीकरण के कारण हरे भरे खेत, भूमि का जलवायु, वन्य जीव का स्वास्थ्य, भूस्खलन आदि प्रभावित हो रहे हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए बड़े उद्योगों को प्रदूषण रोकने के उपाय अपनाने के लिए कहा जा रहा है सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जा रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा वृक्षारोपण कार्यक्रम में ध्यान दिया जा रहा है यह सब प्रयास पर्यावरण को संतुलित और सुरक्षित रखने के लिए नियंत्रण किए जा रहे हैं इसीलिए 5 जून को हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। भूमि जल एवं वायु आदि तत्व में विकृति आने से पर्यावरण का संतुलन बिगड़ जाता है तब पर्यावरण लगातार प्रदूषित होने लगता है। इसी को कम करने या रोकने की प्रक्रिया को पर्यावरण संरक्षण कहते हैं। धरती पर लगातार जनसंख्या बढने् तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता ना होने के कारण पर्यावरण संरक्षण की समस्या लगातार उत्पन्न हो रही है। पर्यावरण संरक्षण का विश्व के सभी नागरिकों तथा प्राकृतिक परिवेश से गहरा संबंध है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर सन 1992 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा ब्राजील में विश्व के 174 देशों का पृथ्वी सम्मेलन आयोजित किया गया था। फिर सन 2002 में जोहान्सबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन आयोजित किया गया जिसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण था।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले कारणों पर नियंत्रण रखना आवश्यक है। जनजीवन की सुरक्षा के लिए पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जरूरत है। आधुनिकता की ओर बढ़ रहे विश्व में विकास की राह में कई ऐसी चीजों का उपयोग शुरू कर दिया है, जो धरती और पर्यावरण के लिए घातक है। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है। लेकिन इसी प्रकृति को इंसान नुकसान पहुंचा रहा है। लगातार पर्यावरण दूषित हो रहा है, जो जनजीवन को प्रभावित करने के साथ ही प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रहा है।

यह राहत की बात है कि एक तरफ पर्यावरण प्रदूषण बढ़ रहा है तो उसे बचाने के प्रयास भी सतत रूप से चल रहा है। लगभग पाँच दशकों से, विश्व पर्यावरण दिवस जागरूकता बढ़ा रहा है, कार्यवाही का समर्थन कर रहा है और पर्यावरण के लिए बदलाव ला रहा है। लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर विशेष थीम के साथ काम किया जाता है जो दुनिया को एक संदेश देता है। 2005 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'ग्रीन सिटीज' थी और नारा था 'प्लांट फॉर द प्लैनेट।' 2006 का विषय था मरुस्थल और मरुस्थलीकरण और नारा था 'शुष्क भूमि को मरुस्थल न बनाएं।' नारे ने शुष्क भूमि की रक्षा के महत्व पर बल दिया।

2007 के विश्व पर्यावरण दिवस का विषय था 'मेल्टिंग आइस ङ्क ए हॉट टॉपिक।' अंतर्राष्ट्रीय ध्रुवीय वर्ष के दौरान, विश्व पर्यावरण दिवस 2007 ने उन प्रभावों पर ध्यान केंद्रित किया जो जलवायु परिवर्तन के कारण ध्रुवीय पारिस्थितिक तंत्र और समुदायों पर व दुनिया के अन्य बर्फीले और बर्फ से ढके क्षेत्रों पर हो रहे हैं और जिनका वैश्विक प्रभाव पड़ रहा है। मिस्र ने 2007 विश्व पर्यावरण दिवस के लिए डाक टिकट जारी किया।

इन प्रयासों के बाद भी पर्यावरण प्रदूषण से मुक्ति पाने के लिए या उसमें अपेक्षित सुधार लाने के लिए विशेष प्रयास वैश्विक स्तर पर किए जाने की आवश्यकता प्रतीत होती है। महात्मा गांधी हमेशा से पर्यावरण प्रदूषण की चिंता करते रहे हैं. अपने लेखों और भाषणों में वे इस बात की ताकीद करते रहे हैं कि यदि पर्यावरण संरक्षित नहीं किया गया तो जीवन समाप्त हो जाएगा। इसलिए उन्हें विश्व का पहला पर्यावरणवादी कहा जाए तो उचित ही होगा। गांधी जी ने हिमालय के महत्व को भी उसी समय रेखांकित कर प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ न करने की नसीहत दे दी थी। भारत में भी पर्यावरण की रक्षा के लिए चिपको जैसे प्रमुख आंदोलनों के प्रणेता चंडी प्रसाद भट्ट और उसे व्यापक प्रचार देने वाले सुंदर लाल बहुगुणा और बाबा आमटे तथा मेधा पाटकर ने गांधी से ही प्रेरणा ली।

'हिन्द स्वराज' में प्रकट की थी पर्यावरण की चिंता- गांधी जी ने आधुनिक पर्यावरणविदों से बहुत पहले दुनिया को बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण की समस्याओं के बारे में आगाह किया था। गांधी जी ने कल्पना की थी कि मशीनीकरण से न केवल औद्योगीकरण, बड़े पैमाने पर शहरीकरण, बेरोजगारी होगी, बल्कि पर्यावरण का विनाश भी होगा। एक सदी पूर्व 1909 में लिखी गई उनकी पुस्तक, ''हिंद स्वराज'' ने पर्यावरण के विनाश और ग्रह के लिए खतरे के रूप में दुनिया के सामने आने वाले खतरों की चेतावनी दी थी। ऐतिहासिक रिकॉर्ड के रूप में, गांधी जी पर्यावरण प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य के लिए इसके परिणामों से पूरी तरह अवगत थे। वह विशेष रूप से उद्योग में काम करने की भयावह परिस्थितियों के बारे में चिंतित थे, जिसमें श्रमिकों को दूषित, जहरीली हवा में सांस लेने के लिए मजबूर किया जाता था। उन्होंने 5 मई, 1906 को इंडियन ओपिनियन में उन चिंताओं को व्यक्त किया और कहा था कि ''आजकल, खुली हवा की आवश्यकता के बारे में प्रबुद्ध लोगों में सराहना बढ़ रही है।'' गांधी जी का मानना था कि पृथ्वी, वायु, भूमि तथा जल हमारे पूर्वजों से प्राप्त सम्पत्तियां नहीं हैं। वे हमारे बच्चों की धरोहरें हैं। वे जैसी हमें मिली हैं वैसी ही उन्हें भावी पीढियों को सौंपना होगा।

वन्य जीवन, वनों में कम हो रहा है किन्तु वह शहरों में बढ़ रहा है। 1909 की शुरुआत में ही उन्होंने अपनी पुस्तक ''हिंद स्वराज'' में मानव जाति को अप्रतिबंधित उद्योगवाद और भौतिकवाद के प्रति आगाह किया था। वह नहीं चाहते थे कि भारत इस संबंध में पश्चिम का अनुसरण करे और चेतावनी दी कि यदि भारत अपनी विशाल आबादी के साथ पश्चिम की नकल करने की कोशिश करता है तो पृथ्वी के संसाधन पर्याप्त नहीं होंगे। उन्होंने 1909 में भी तर्क दिया कि औद्योगीकरण और मशीनों का लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। हालांकि वह मशीनों के विरोध में नहीं थे। उन्होंने निश्चित रूप से बड़े पैमाने पर मशीनरी के उपयोग का विरोध किया। उन्होंने नदियों और अन्य जल निकायों को प्रदूषित करने के लिए लोगों की आलोचना की। उन्होंने धुएं और शोर से हवा को प्रदूषित करने के लिए मिलों और कारखानों की आलोचना की।

मोदी परिवारवाद का विरोध करते रहे मगर जनता ने परिवारवादी दलों की ताकत में इजाफा कर दिया

नीरज कुमार दुबे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनावों के दौरान परिवारवाद का विरोध करते रहे लेकिन जनता ने विपक्ष को इतनी ताकत दे दी कि सभी परिवारवादी दल चुनाव भी जीते और अब अपने राजनीतिक परिवारवाद को और आगे बढ़ाने लग गये हैं। इसी कड़ी में गांधी परिवार ने राजनीतिक परिवारवाद को आगे बढ़ाते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा को भी चुनाव मैदान में उतारने का फैसला किया है। वर्ष 2019 में सक्रिय राजनीति में आने के बाद से प्रियंका गांधी वाड्रा के कभी अमेठी, तो कभी रायबरेली और यहां तक की वाराणसी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने को लेकर समय-समय पर अटकलें लगाई जाती रहीं, लेकिन कांग्रेस के उन्हें वायनाड सीट से उपचुनाव में मैदान में उतारने की घोषणा के बाद अब इन पर विराम लग गया है। हम आपको बता दें कि कांग्रेस ने सोमवार को फैसला किया कि राहुल गांधी रायबरेली के सांसद बने रहेंगे और वायनाड सीट से इस्तीफा देंगे। राहुल ने 2019 में वायनाड से पहली बार आसानी से जीत हासिल की थी, जब उन्हें परिवार के गढ़ अमेठी में हार का सामना करना पड़ा था। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में राहुल ने फिर से वायनाड से चुनाव लड़ा, लेकिन अमेठी छोड़कर रायबरेली चले गए। हालिया आम चुनाव में, राहुल गांधी ने वायनाड में 64.7 प्रतिशत वोट हासिल करके अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की एनी राजा को 3.64 लाख मतों के अंतर से हराया था। भाजपा उम्मीदवार के. सुरेंद्रन 1.3 लाख वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।

जहां तक प्रियंका की बात है तो अमेठी, रायबरेली और वाराणसी संसदीय सीट से उम्मीदवारी की चर्चा के बाद 52 वर्षीय प्रियंका अंततः केरल के वायनाड से चुनावी राजनीति में पदार्पण करेंगी। उल्लेखनीय है कि केरल एक ऐसा राज्य है, जहां कांग्रेस ने 2019 के साथ-साथ 2024 के लोकसभा चुनावों में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। प्रियंका गांधी ने सोमवार को (वायनाड से) अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद कहा, मुझे जरा भी घबराहट नहीं है... मैं बहुत खुश हूं कि मुझे वायनाड का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि मैं उन्हें (वायनाड की जनता) उनकी (राहुल की) अनुपस्थिति महसूस नहीं होने दूंगी... मेरा रायबरेली से अच्छा नाता है, क्योंकि मैंने वहां 20 साल तक काम किया है और यह रिश्ता कभी नहीं टूटेगा।

हम आपको बता दें कि सक्रिय राजनीति में आने के बाद जनवरी 2019 में उन्हें महत्वपूर्ण पूर्वी उत्तर प्रदेश का प्रभारी महासचिव बनाया गया और फिर पूरे राज्य का प्रभारी महासचिव बनाया गया। हालांकि 2019 के चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा, लेकिन प्रियंका ने जमीनी स्तर पर संगठन को मजबूत करने के अपने प्रयास जारी रखे। दिसंबर 2023 में, प्रियंका को ''बिना पोर्टफोलियो'' के महासचिव बनाया गया और वह कांग्रेस की प्रमुख रणनीतिकार और बाद में 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी की स्टार प्रचारक के रूप में उभरीं। उन्होंने संगठन को मजबूत करने में भी मदद की और हिमाचल प्रदेश में पार्टी के प्रचार अभियान का नेतृत्व किया और राज्य में पार्टी को सत्ता में लाने में मदद की। उनके प्रचार अभियान ने हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को 99 सीट जीतने में मदद की। वहीं, 2019 में यह आंकड़ा 52 था। हम आपको बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा ने हालिया लोकसभा चुनाव से पहले अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा कई बार जतायी थी। लेकिन सीट से परिवार के करीबी किशोरी लाल शर्मा को मैदान में उतारा गया, जिन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता स्मृति ईरानी को हराया। यदि प्रियंका गांधी लोकसभा उपचुनाव जीत जाती हैं, तो यह पहली बार होगा कि सोनिया, राहुल और प्रियंका तीनों एक साथ संसद में होंगे। सोनिया गांधी फिलहाल राजस्थान से राज्यसभा सदस्य हैं। देखा जाये तो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के आश्चर्यजनक रूप से अच्छे प्रदर्शन के साथ, प्रियंका गांधी वाड्रा ने पार्टी के एक करिश्माई नेता के रूप में अपनी स्थिति भी मजबूत कर ली है।

राजनीतिक विश्लेषकों की राय : प्रियंका गांधी वाड्रा के चुनावी राजनीति में पदार्पण पर राजनीतिक विश्लेषकों की राय की बात करें तो आपको बता दें कि ''24 अकबर रोडः ए शॉर्ट हिस्ट्री ऑफ द पीपल बिहाइंड द फॉल एंड राइज ऑफ द कांग्रेस'' सहित कई किताबें लिखने वाले रशीद किदवई ने कहा, ''कांग्रेस लंबे समय से एक प्रभावी प्रचारक की तलाश में थी और 2024 के चुनाव में प्रियंका गांधी ने जिस तरह से मोदी को जवाब दिया है, उससे वह बड़े विकल्प के तौर पर उभरी हैं। प्रियंका गांधी ने दिखाया कि मोदी का मुकाबला किया जा सकता है और उन्होंने पूरे भारत में कांग्रेस के लिये चुनाव प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। इसके अलावा, राजनीतिक टिप्पणीकार और कांग्रेस के पूर्व नेता संजय झा ने प्रियंका गांधी को शानदार प्रचारक बताया। उन्होंने कहा, मोदी के कटाक्षों का तीखा और त्वरित जवाब देकर उन्होंने प्रचार के दौरान कमाल कर दिया। उनकी मौजूदगी जादुई रही है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन ने 543 में से 234 सीट जीतीं, जबकि 99 सीट जीतकर कांग्रेस विपक्षी गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। कांग्रेस चुनाव अभियान में जोरदार वापसी करती दिखी और प्रियंका ने मोदी और भाजपा के अन्य नेताओं के लगातार हमलों का मुकाबला करने में अहम भूमिका निभायी। प्रधानमंत्री मोदी के सोने और मंगलसूत्र卐 वाले बयान पर पलटवार करते हुए भावुक प्रियंका ने मतदाताओं को याद दिलाया था कि उनकी मां सोनिया गांधी ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र बलिदान कर दिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 2014 और 2019 के चुनावों की तुलना में, हालिया लोकसभा चुनाव में पार्टी को संसद में मजबूत स्थिति में पहुंचाने के बाद वायनाड से उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है।

चुनाव में दिखा था प्रियंका का करिश्मा : हम आपको याद दिला दें कि हालिया लोकसभा चुनाव में, अपने बचपन, पिता राजीव गांधी की हत्या के दर्द और मां के दुख पर चर्चा करते हुए उन्होंने कांग्रेस के अभियान की कमान संभाली, पारिवारिक संबंधों और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर चर्चा के बीच कुशलता से संतुलन बनाए रखा और एक रणनीतिकार, वक्ता और भीड़ को आकर्षित करने वाली नेता साबित हुईं। उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव में 108 जनसभाएं और रोडशो किये। उन्होंने 16 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में प्रचार किया और अमेठी और रायबरेली में कार्यकर्ताओं के दो सम्मेलनों को भी संबोधित किया। उनके अधिकांश भाषण भीड़ से संवाद करने जैसे थे, जो लोगों से जुड़ाव स्थापित करते थे और लोगों को यह आभास देते थे कि यह कोई ऐसा व्यक्ति है, जिसे वे जानते हैं, कोई ऐसा है, जो उनके साथ अपनी भावनाओं और विचारों को साझा कर रहा है। देश भर में उनके चुनावी भाषणों में जवाबदेही का लगातार उल्लेख हुआ। प्रियंका ने लोगों से धर्म और जाति के आधार पर भावनात्मक मुद्दों पर वोट न करने और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए रोटी-रोज़ी के मुद्दों पर वोट करने की अपील की।

राजनीतिक प्रतिक्रियाएं : जहां तक प्रियंका के वायनाड से चुनाव लड़ने के मुद्दे पर आ रही राजनीतिक प्रतिक्रियाओं की बात है तो आपको बता दें कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की नेता एनी राजा ने कहा है कि देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में यह आवश्यक था। उन्होंने कहा, ''मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में राहुल गांधी जैसे प्रमुख नेता के लिए हिंदी पट्टी में काम करना जरूरी है। इसलिए, इस फैसले में कुछ भी गलत नहीं है।'' उन्होंने कहा, 卐यह जानकर खुशी हुई कि कांग्रेस पार्टी ने उपचुनाव में एक महिला को मैदान में उतारने का फैसला किया है। पिछली लोकसभा की तुलना में इस बार लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व कम हुआ है। इसलिए, मैं चाहती हूं कि अधिक महिलाएं आएं।

वहीं कांग्रेस की केरल इकाई ने प्रियंका गांधी का वायनाड में स्वागत किया और विश्वास जताया कि वह आगामी उपचुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र में रिकॉर्ड मतों के अंतर से जीत हासिल करेंगी। केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा, ''राहुल और पार्टी प्रियंका को उम्मीदवार बना रहे हैं, जो वायनाड में और भी अधिक लोकप्रिय हैं।'' कांग्रेस नेता ने कहा कि वायनाड लोकसभा सीट के लिए आगामी उपचुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करके वह पूरे राज्य की चहेती बन जाएंगी। उधर, वायनाड लोकसभा सीट पर एक महत्वपूर्ण राजनीतिक ताकत इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने आगामी उपचुनाव में प्रियंका गांधी को मैदान में उतारने के कांग्रेस के फैसले पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि संसद में उनकी उपस्थिति से विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' और मजबूत होगा। हम आपको बता दें कि आईयूएमएल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ में एक प्रमुख भागीदार है। दूसरी ओर, भाजपा की केरल इकाई के प्रमुख के. सुरेन्द्रन ने राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने के फैसले का मजाक उड़ाया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी राज्य को एक राजनीतिक 'एटीएम' समझ रही है। भाजपा ने साथ ही मुख्य विपक्षी पार्टी पर ''परिवारवाद की राजनीति'' में लिप्त होने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनवाला ने आरोप लगाया, ''राहुल गांधी के वायनाड सीट छोड़ने और उनकी बहन के वहां से चुनाव लड़ने के फैसले के बाद आज यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस कोई राजनीतिक दल नहीं बल्कि परिवार की एक कंपनी है।''

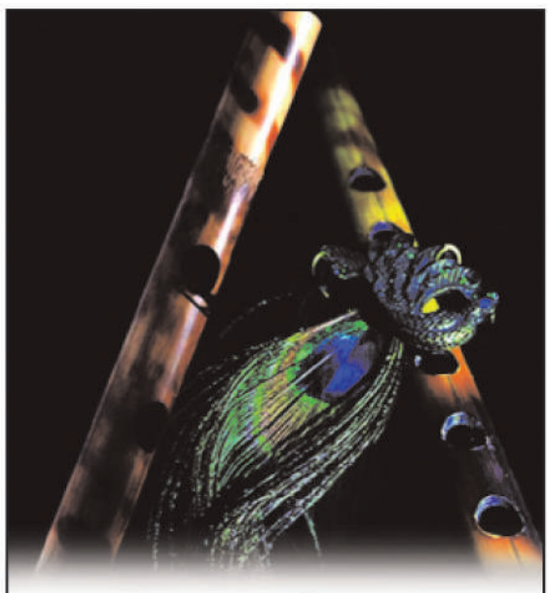

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

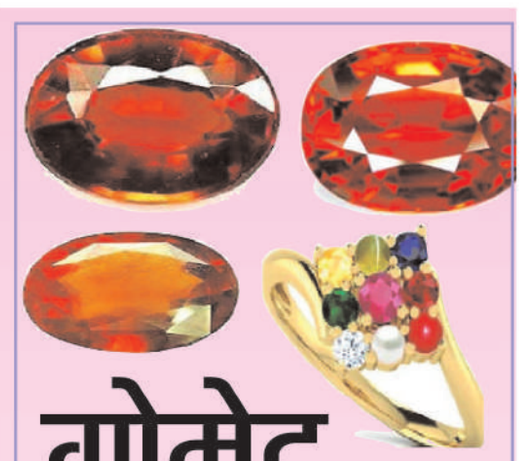

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अत- ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनसुरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुप्पाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

विंक स्टूडियो के कलाकारों के गाने विंक म्यूज़िक पर 1.7+ बिलियन स्ट्रीम को किया पार

गुरुग्राम (भारत): डाउनलोड और दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं के मामले में भारत के नंबर वन म्यूज़िक स्ट्रीमिंग ऐप, विंक म्यूज़िक- नये उभरते संगीत कलाकारों के लिए अपने गानों को देश भर के दर्शकों तक पहुँचाने के लिए लॉन्च पैड, ने विंक स्टूडियो के स्वतंत्र कलाकारों के गानों के लिए 1.7+ बिलियन स्ट्रीम की एक प्रभावशाली इंडस्ट्री-अग्रणी उपलब्धि हासिल की है। इन गानों ने, उल्लेखनीय रूप से, विंक स्टूडियो के लॉन्च के दो साल के भीतर इस मील के पत्थर को पार कर लिया है, जो संगीत को बढ़ावा देने और प्रतिभाशाली और उभरते कलाकारों का समर्थन करने के लिए विंक की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। भारती एयरटेल के मुख्य मार्केटिंग अधिकारी, अमित त्रिपाठी ने कहा, फ्रहमने उभरते कलाकारों को, अपने संगीत से कमाई करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म देने के लिए विंक स्टूडियो को लॉन्च किया साथ ही, हमने अपने ग्राहकों को एक विशाल संगीत की लाइब्रेरी भी उपलब्ध कराई। इन गानों के लिए 1.7 मिलियन स्ट्रीम यह दिखाता हैं कि हमारे ग्राहक इस संगीत का कितना आनंद ले रहे हैं जबकि हम इससे कलाकार की मदद कर पा रहे हैं। दो साल से भी कम समय में, विंक स्टूडियो इतना लोकप्रिय हो गया है कि हम देश भर से कलाकारों को साइन कर रहे हैं, जबकि हम विंक पर भाषा विविधता को भी बढ़ावा देते हैं। हम विविधता लाने और अधिक कलाकारों को संगीत में सफल कैरियर बनाने में सक्षम बनाने का वादा करते हैं। देश में संगीत प्रतिभाओं को पहचानने और कलाकारों को संगीत उद्योग में स्थायी करियर बनाने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से विंक स्टूडियो की शुरुआत की गई थी। अपनी तरह के पहले कलाकार विकास मंच - विंक स्टूडियो - ने व्यक्तिगत सलाह, व्यापक वितरण और मुद्रीकरण के अवसरों के माध्यम से भारत में कलाकारों को आगे बढ़ाने में क्रांति ला दी है। विंक स्टूडियो, कलाकारों को अन्य संगीत लेबलों के साथ जुड़ने, वेब सीरीज़ के बैकग्राउंड स्कोर, ओटीटी, लाइव इवेंट और इस तरह के अन्य अवसरों सहित कई अवसर प्रदान करता है।

फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड की पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 19 जून को खुलेगा

मुंबई - पेट्रोलियम रिफाइनरियों, हाउसिंग एस्टेट, परमाणु ऊर्जा, कंस्ट्रक्शन आदि क्षेत्रों में ग्राहकों को मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल और प्लंबिंग सेवाएं प्रदान करने में विशेषज्ञता वाली मुंबई स्थित फाल्कन टेक्नोप्रोजेक्ट्स इंडिया लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु. 13.69 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 19 जून को सब्स्क्रीप्शन के लिए खुला है और 21 जून को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने सहित कंपनी की विस्तार योजनाओं को निधि देने के लिए किया जाएगा। केफिन टेक्नोलोजीस लिमिटेड इस इश्यू की लीड मैनेजर है। रु. 13.59 करोड के आइपीओ में प्रति शेयर रु. 92 की कीमत पर प्रति रु. 10 की फेस वेल्यु के 14.88 लाख इक्विटी शेयर का फ्रेश इश्यू शामिल है। रु. 13.69 करोड़ के नए इश्यू में से, कंपनी रु. 10.27 करोड़ कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं के लिए और रु. 2.81 करोड़ सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए उपयोग करने की योजना बना रही है। एप्लिकेशन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1200 शेयर है जो प्रति एप्लिकेशन रु. 1,10,400 के निवेश के बराबर है।

चीन के पब्लिक पार्क में 4 अमेरिकी प्रशिक्षकों पर चाकू से जानलेवा हमला

बीजिंग, एजेंसी।
चीन की शिक्षण यात्रा के दौरान अमेरिका के आयोवा कॉलेज के चार अमेरिकी प्रशिक्षक चाकू से हमले में घायल हो गए। उनके स्कूल और अमेरिकी अधिकारियों ने कहा आयोवा के माउंट वर्नोन में एक निजी उदार कला महाविद्यालय, कॉर्नेल कॉलेज के चार प्रशिक्षक सार्वजनिक पार्क में सैर कर रहे थे कि उन पर चाकू से हमला कर दिया गया जिसमें वे घायल हो गएष स्कूल के अध्यक्ष जोनाथन ब्रांड ने एक बयान में हमले की पुष्टि की है। सामूहिक चाकूबाजी का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, कई लोगों को संदेह है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की वजह से ऐसा हुआ है। कॉर्नेल के अध्यक्ष, जोनाथन ब्रांड नेकहा कि हमें पता चला है कि चीन में एक यूनिवर्सिटी के साथ साझेदारी के तहत पढ़ाने वाले चार कॉर्नेल प्रशिक्षक एक गंभीर घटना में घायल हो गए हैं। हम सभी चार प्रशिक्षकों के संपर्क में हैं और इस दौरान उनकी सहायता कर रहे हैं।

कॉर्नेल का फैकल्टी एक्सचेंज पार्टनरशिप प्रोग्राम के तहत शिक्षण के लिए आए इन प्रशिक्षकों पर पूर्वोत्तर चीनी शहर जिलिन में हमला हुआ। इस दौरान उनके साथ स्कूल के चीनी साझेदार संस्थान, बेहुआ

विश्वविद्यालय के एक संकाय सदस्य भी थे। विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी रिपोर्टों से अवगत हैं और स्थिति की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। स्थानीय समयानुसार मंगलवार दोपहर तक, चीनी अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई बयान नहीं आया।आयोवा राज्य प्रतिनिधि एडम ज़बनेर ने पुष्टि की कि उनके भाई, डेविड ज़बनेर, पीड़ितों में से एक थे। उन्होंने कहा कि उनके भाई के हाथ में चाकू लगने से टांके लगे हैं और वह अस्पताल में भर्ती है । एडम जैबनर ने कहाडेविड जैबनर, टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के स्नातक छात्र हैं, जो कॉर्नेल कॉलेज के पूर्व छात्र हैं और पहले वहां व्याख्यान दे चुके हैं, उन्होंने पहले भी एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया था और इस साल वापस लौटे हैं ।अन्य पीड़ितों जिनकी अभी तक सार्वजनिक रूप से पहचान नहीं की गई है, की स्थिति के बारे में विवरण नहीं मिला है।

यह भी स्पष्ट नहीं था कि शिक्षकों को निशाना बनाया गया था या उन पर बेतरतीब ढंग से हमला किया गया था।आयोवा के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने एक्स पर कहा कि वह इस भयानक हमले के जवाब में आयोवा के संघीय प्रतिनिधिमंडल और विदेश विभाग के संपर्क में हैं। यह हमला ऐसे समय हुआ जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, यू.एस. और चीन, समग्र द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयास के तहत लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दे रही हैं। अमेरिकी अधिकारी मुख्य भूमि चीन के लिए लेवल 3 यात्रा सलाह को कम करने पर विचार कर रहे हैं, जो इसका दूसरा सबसे उच्च चेतावनी स्तर है। इस चिंता के कारण कि इस तरह के आदान-प्रदान हतोत्साहित हो सकते हैं।

पिछले नवंबर में अमेरिका की यात्रा के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि बीजिंग अगले पांच वर्षों में 50,000 युवा अमेरिकियों को आदान-प्रदान और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए चीन आमंत्रित करने के लिए तैयार है। बता दें कि पिछले दशक में चीन में अध्ययन करने वाले अमेरिकियों की संख्या में तेजी से गिरावट आई है, खासकर देश के तीन साल के महामारी अलगाव के दौरान। अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 300,000 चीनी छात्र हैं, जबकि चीन में 900 से कम अमेरिकी अध्ययन कर रहे हैं। हालाँकि चीन में दुनिया के कुछ सबसे सख्त बंदूक नियंत्रण कानून हैं, लेकिन चाकू से हमले असामान्य नहीं हैं।

गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड ने सेबी के पास दाखिल किया ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस

नईदिल्ली। कंपनी के पास स्थापित क्षमता के मामले में भारत में सबसे बड़ी एकीकृत बायो-रिफाइनरी है और स्थापित क्षमता के मामले में दुनिया भर में MPO (3 मिथाइल-3 पेंटेन-2-वन) की सबसे बड़ी निर्माता भी है, प्राकृतिक 1,3 ब्यूटिलीन ग्लाइकॉल के केवल दो निर्माताओं में से एक है और फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बायो एथिल एसीटेट का निर्माण करने वाली एकमात्र कंपनी है। कंपनी 10 अंकित मूल्य वाली इक्विटी शेयर पूंजी के माध्यम से फंड जुटाने की योजना बना रही है। कुल इशू में 3,250 मिलियन [325 करोड़] तक के इक्विटी शेयर का फ्रेश इशू शामिल है (फ्रेश इशू) और 6,526,983 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल (फ्रऑफर फॉर सेल) [टोटल ऑफर साइज़] भी शामिल है। कंपनी ने फ्रेश इशू से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग निम्नलिखित की फंडिंग के लिए करने की योजना बनाई है-- कंपनी द्वारा लिए गए कुछ आउटस्टेंडिंग बोरोइंग्स का पूर्ण या आंशिक रूप से पुनर्भुगतान/पूर्व-भुगतान, जिसकी राशि 2,400 मिलियन [240 करोड़] है और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए। [फ्रेश इश्यू] ऑफर फॉर सेल में मंडला कैपिटल एजी लिमिटेड [इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर्स] द्वारा 4,926,983 इक्विटी शेयर, सोमैया एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 500,000 इक्विटी शेयर, समीर शांतिलाल सोमैया द्वारा 2,00,000 इक्विटी शेयर, लक्ष्मीवाड़ी माइंस एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड [प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर्स] द्वारा 200,000 इक्विटी शेयर, फिल्मीडिया कम्युनिकेशन सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 300,000 इक्विटी शेयर, सोमैया प्रॉपर्टीज एंड इंवेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड [प्रमोटर ग्रुप सेलिंग शेयरहोल्डर्स] द्वारा 100,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। [सेलिंग शेयरहोल्डर्स] इक्विरस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

हमास से जंग के बीच इस्राइल ने लेबनान पर किया हमला, हिजबुल्ला के तीन सदस्य मारे गए

गाजा, एजेंसी। दुनिया के कई देश युद्ध में घिरे हुए हैं। जहां रूस-यूक्रेन जंग को दो साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। इधर, हमास और इस्राइल बीते सात महीने से लड़ाई लड़ रहे हैं। अब तक 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जहां सभी देश संघर्ष विराम की उम्मीद लगाए हुए थे। वहीं, अब एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्राइल ने लेबनान में टैंकरों के एक काफिले को निशाना बनाया। इस हमले में हिजबुल्ला के तीन सदस्य भी मारे गए।

हमास ने सात अक्तूबर को इस्राइली शहरों पर पांच हजार से ज्यादा रॉकेट दागकर हमले की शुरुआत की थी। इसके बाद हमास के आतंकियों ने इस्राइल में घुसकर लोगों को मौत के घाट उतारा। इसके जवाब में इस्राइल ने हमास आतंकियों के खिलाफ गाजा में ऑपरेशन शुरू किया था। इस ऑपरेशन में गाजा स्थित हमास के ठिकानों पर जबरदस्त बमबारी की गई है, जिससे अधिकतर गाजा खंडहर में तब्दील हो गया है। अब तक इस्राइल और गाजा में कुल मिलाकर 34,622 लोगों की मौत हो चुकी है।

एक के बाद एक हमले: हमास के साथ जारी जंग के बीच हिजबुल्ला ने भी इस्राइल को निशाना बनाया है। लेबनान में आठ महीने से अधिक समय से जारी हिंसा में कम से कम 462 लोग मारे गए हैं, जिनमें लगभग 90 नागरिक और लगभग 300 हिजबुल्ला लड़ाके शामिल हैं। एक मीडिया रिपोर्ट में सैन्य सूत्र के हवाले से बताया गया इस्राइल ने सीरिया की सीमा पर स्थित हरमेल जिले के एक गांव में टैंकरों के एक काफिले और एक इमारत को निशाना बनाया। उसने नौ हमले किए, जिसमें हिजबुल्ला के तीन लोग मारे गए। साथ ही उन्होंने बताया कि तीन लोग घायल हुए हैं।

तीन सीरियाई मारे गए: सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर के अनुसार, हमले में दो अन्य लोग भी मारे गए हैं। एनजीओ के निदेशक रामी अब्देल रहमान ने बताया, सीरिया की सीमा पर लेबनान में प्रवेश करने वाले टैंकरों के काफिले को निशाना बनाकर किए गए इस्राइली हमले में हिजबुल्ला के साथ काम करने वाले तीन सीरियाई और दो लेबनानी मारे गए।

उन्होंने कहा कि हमले के बाद पांच अन्य घायल हो गए और दो लोग लापता हैं। युद्ध की निगरानी करने वालों ने बताया कि हमले का मुकाबला करने के लिए सीरियाई विमानरोधी रक्षा को सक्रिय किया गया था।

अब तक पांच हमले: हिजबुल्ला के लड़ाके लंबे समय से सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल-असद की सेना के समर्थन में तैनात हैं। सोमवार के हमलों से कुछ घंटे पहले, हिजबुल्ला ने एलान किया था की कि उसने लेबनान के ऊपर एक और इस्राइली हर्मीस ड्रोन को मार गिराया है, जो फरवरी के बाद से इस प्रकार का पांचवां ड्रोन है।

वेनेजुएला में पानी से सस्ता मिल रहा पेट्रोल

73 रुपए से कम कीमत में टंकी फुल

एकैरैकस , एजेंसी।
दुनिया में एक देश ऐसा भी है जहां पानी से सस्ता पैट्रोल मिल रहा है। कच्चे तेल का सबसे भंडार दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में है। कई साल तक दुनिया का सबसे सस्ता तेल इसी देश में मिलता था लेकिन अब स्थिति बदल गई है। आज दो देश उससे आगे निकल गए हैं। अब दुनिया में सबसे सस्ते तेल के मामले में ईरान पहले और लीबिया दूसरे नंबर पर है। पश्चिम एशियाई देश ईरान के पास भी तेल का बड़ा भंडार है। इस देश में पेट्रोल का रेट 0.029 डॉलर प्रति लीटर है। भारतीय करेंसी के हिसाब से देखा जाए तो यह राशि 2.42 रुपए बैठती है। यानी 30 लीटर की टंकी के लिए आपको 72.6 रुपए खर्च करने पड़ेंगे।

भारत की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल का रेट 87.62 रुपए प्रति लीटर है। कई शहरों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए लीटर से ज्यादा है। आयरलैंड, फिनलैंड, जर्मनी, यूके, स्पेन,

चेक गणराज्य, चिली, रोमानिया, मेक्सिको, यूक्रेन, कनाडा, इथियोपिया, साउथ अफ्रीका, तुर्की और साउथ कोरिया में पेट्रोल की कीमत भारत से ज्यादा है। ईरान के बाद दुनिया में सबसे सस्ता तेल उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया में मिल रहा है। इस देश में पेट्रोल की कीमत 0.031 डॉलर प्रति लीटर है जो भारतीय रुपए में 2.59 रुपये बैठती है। वेनेजुएला में अब पेट्रोल कीमत 0.035 डॉलर यानी 2.92 रुपए प्रति लीटर है।

मिस्र, कुवैत, अल्जीरिया, नाइजीरिया, कजाकस्तान, रूस, सऊदी अरब, यूएई, इंडोनेशिया और पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत एक डॉलर से कम है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 0.982 डॉलर यानी करीब 82 रुपये लीटर है। भारत में पेट्रोल की औसत कीमतद1.252 डॉलर यानी करीब 104.43 रुपये बैठती है। अमेरिका, बांग्लादेश, अर्जेंटीना, जापान, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और चीन में पेट्रोल भारत से सस्ता है।

अमेरिकी-इस्राइली जासूसी सेल को विद्रोहियों ने किया गिरफ्तार, हूती के अधिकारी ने दी जानकारी

सना, एजेंसी। इस्राइल और हमास के बीच युद्ध जारी है। इस बीच यमन के हूती विद्रोही भी काफी सक्रिय हो गए हैं। सोमवार को उन्होंने एक अमेरिकी-इस्राइली जासूसी सेल को गिरफ्तार किया है। कुछ दिन पहले ही विद्रोहियों ने संयुक्त राष्ट्र के लगभग एक दर्जन कर्मचारियों को हिरासत में लिया था। हूती के आरोपों पर अब तक इस्राइल की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है।

हूती के खुफिया प्रमुख अब्देल हकीम अल खैवानी ने सोमवार को बताया कि कथित सेल में यमन में अमेरिकी दूतावास के पूर्व कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सेल ने दशकों तक दुश्मन के पक्ष में आधिकारिक और अनौपचारिक संस्थानों में जासूसी और तोड़फोड़ की है। सेल के सदस्यों और अमेरिकी अधिकारियों ने तोड़फोड़ की गतिविधियों को अंजाम दिया। इसके लिए उन्होंने अमेरिकी दूतावास में अपने पदों का फायदा उठाया। अमेरिकी दूतावास के सना से जाने के बाद, सेल के सदस्यों ने अंतरराष्ट्रीय और संयुक्त राष्ट्र संगठनों की आड़ में अपने तोड़फोड़ के एजेंडे को जारी रखा।

हूतियों का उदय 1980 के दशक में यमन में हुआ। यह यमन के उत्तरी क्षेत्र में शिया मुस्लिमों का सबसे बड़ा आदिवासी संगठन है। हूती उत्तरी यमन में सुन्नी इस्लाम की सलाफी विचारधारा के विस्तार के विरोध में हैं। 2011 से पहले जब यमन में सुन्नी नेता अब्दुल्ला सालेह की सरकार थी, तब शियाओं के दमन की कई घटनाएं सामने आईं। ऐसे में शियाओं में सुन्नी समुदाय के तानाशाह नेता के खिलाफ गुस्सा भड़क उठा। उन्होंने देखा कि अब्दुल्ला सालेह की आर्थिक नीतियों की वजह से उत्तरी क्षेत्र में असमानता बढ़ी है। वे इस आर्थिक असमानता से नाराज थे। बताया जाता है कि हूती विद्रोहियों को सीधे तौर पर ईरान का समर्थन हासिल है। दरअसल, ईरान शिया बहुल देश है और हूती मुस्लिम भी इसी समुदाय से आते हैं। इसी सामुदायिक जुड़ाव के चलते ईरान पर हूतियों की मदद के आरोप लगते रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हूतियों के पास जो हथियार और मिसाइलें मिलती हैं, वे भी ईरान द्वारा निर्मित होती है। इतना ही नहीं इस्लामिक जगत में राज के लिए ईरान का पहले ही सऊदी अरब और यूएई से लंबा विवाद रहा है। ऐसे में ईरान के लिए यमन को अरब देशों के प्रभाव में जाने से रोकना बड़ी चुनौती है। इसीलिए वह हूती विद्रोहियों का समर्थन कर यमन में सऊदी अरब और यूएई को रोकने की कोशिश में लगा है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने गाजा में तत्काल युद्ध विराम का प्रस्ताव पारित किया

वाशिंगटन, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा में युद्ध विराम के लिए अमेरिका का प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत बंधकों की रिहाई के बदले में इजरायल के साथ संघर्ष को समाप्त करने की जिम्मेदारी हमास पर डाल दी गई है।

अमेरिका द्वारा लाये गए प्रस्ताव पर सोमवार को चीन सहित 14 सदस्य देशों ने वोट किया, जबकि रूस ने मतदान में भाग नहीं लिया। इसके साथ ही ये प्रस्ताव पारित हो गया। इसके तहत तीन-चरण में गाजा में शांति प्रस्ताव लागू किया जाएगा, जिसमें कतर और मिस्र की भूमिका भी होगी। अमेरिकी स्थायी प्रतिनिधि लिंडा थोमा-ग्रीनफील्ड ने मतदान के बाद कहा, आज, इस परिषद ने हमास को एक स्पष्ट संदेश दिया है -- युद्ध विराम समझौते को स्वीकार करो।

उन्होंने कहा, इजरायल पहले ही इस समझौते पर सहमत हो चुका है और अगर

हमास भी ऐसा ही करता है तो लड़ाई आज ही रुक सकती है। उन्होंने कहा, मिस्र और कतर ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वे हमास के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने के लिए काम करना जारी रखेंगे और अमेरिका यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि इजरायल भी अपने दायित्वों को पूरा करे, बशर्ते कि हमास इस समझौते को स्वीकार कर ले।

इजरायली राजनयिक रीट शापिर बेन-नफ्ताली ने परिषद से कहा, अगर हमास बंधकों को रिहा कर दे और आत्मसमर्पण कर दे तो युद्ध समाप्त हो जाएगा। एक भी गोली नहीं चलेगी। परिषद का यह प्रस्ताव अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के इजरायल पहुंचने के बीच आया।

इजरायली वॉर कैबिनेट में शामिल विपक्षी नेता बेनी गैंट्ज़ ने रविवार को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर बंधकों को वापस लाने और युद्ध को समाप्त करने के बजाय अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले इजरायली सेना ने शनिवार को गाजा में हमास के कब्जे वाले क्षेत्र से चार बंधकों को नाटकीय ढंग से बचाया था। बेन-नफ्ताली ने कहा, हमास द्वारा बंधकों को रिहा करने से इनकार करने से यह साबित हो गया है कि बंधकों को वापस लाने के प्रयास में सैन्य साधनों को भी शामिल किया जाना चाहिए। और यह शनिवार को साबित हो गया कि इसे कैसे हासिल किया जा सकता है। परिषद कक्ष के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए फिलिस्तीन के पर्यवेक्षक रियाद मंसूर ने कहा, हम फिलिस्तीन के लोग देखना चाहते हैं कि यह प्रस्ताव कैसे लागू होगा। साथ ही, उन्होंने कहा कि हमने बड़ी संख्या में लोगों की जान जाते हुए देखा है और हत्याओं के लिए जवाबदेही तय होनी चाहिए। हमास द्वारा नियंत्रित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इजरायल के जवाबी हमलों में अब तक 36,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। थॉमस-ग्रीनफील्ड के अनुसार, सुरक्षा परिषद द्वारा स्वीकृत योजना छह सप्ताह के युद्ध विराम के साथ शुरू होगी, जिसमें इजरायली बंधकों, जिसमें महिलाएं, घायल और बुजुर्ग हैं, को छुड़ाया जाएगा और इसके बदले में इजरायली हिरासत से फिलिस्तीनियों को छोड़ा जाएगा। फिर इजरायल को गाजा के आबादी वाले क्षेत्रों से अपने सैनिकों को वापस बुलाना होगा और नागरिकों को अपने घरों में लौटने की अनुमति दी जाएगी। दूसरे चरण में, गाजा में मौजूद सभी अन्य बंधकों की रिहाई और गाजा से इजरायली सेना की पूरी तरह वापसी के बदले में शत्रुता का स्थायी अंत होगा। अंतिम चरण में गाजा के लिए एक पुनर्निर्माण योजना की शुरुआत होगी, और गाजा में मौजूद इजरायली और अन्य लोगों के अवशेषों को उनके परिवारों को वापस किया जाएगा। इजरायल को आश्वस्त करते हुए थॉमस-ग्रीनफील्ड ने कहा, जैसा कि राष्ट्रपति बाइडेन ने स्पष्ट किया है, हमास अब 7 अक्टूबर की घटना को फिर से दोहराने लायक नहीं है, और इजरायल की आत्मरक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता अटल है। रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने प्रस्ताव पर संदेह व्यक्त किया और कहा कि यह प्लान कितना सफल होता है, देखना बाकी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि मास्को इसे रोकना नहीं चाहता, क्योंकि इसे अरब देशों का समर्थन प्राप्त है।

संक्षिप्त-खबर

अब थका हुआ नहीं परास्त दिख रहा कांग्रेस का जिला संगठन

बिलासपुर(समय दर्शन)। हाई कमान के निर्देश पर कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी कार्यक्रम तो आयोजित करते हैं पर धरना प्रदर्शन में संतोषजनक कार्यकर्ता न आने से यह पता चलता है कि उनके दोनों पदाधिकारी चूक गए हैं। 2018 की एक जीत के बाद उनके खाते में सफलता नहीं है, 2023 के चुनाव में तो जिला ग्रामीण अध्यक्ष 3 करोड़ देकर टिकट का आप झेले फिर हार का स्वाद भी सके कौन नहीं जानता लोकसभा देवेंद्र यादव की हार के पीछे किसी पदाधिकारी ने कितनी मेहनत की इस मेहनत कि इस मेहनत में निर्वाचित जनप्रतिनिधि भी होड़ लगाते रहे। विधानसभा चुनाव के पूर्व ही कांग्रेस के शुभचिंतक बार-बार यह याद दिलाते रहे की संगठन में फेर बदल जरूरी है। प्रदेश अध्यक्ष तो बदल गया पर बिलासपुर में विजय द्वै को कांग्रेस कार्यालय ने अपना शुभ प्रतीक मान कर सहेज लिया है। परत दर परत की तर्ज पर हार दर हार के बावजूद हम नहीं बदलेंगे का शोप ओपेरा दीपक बैज के ओस विहीन नेतृत्व में चल रहा है। ऐसा नहीं है कि प्रभारी सचिन पायलट को बिलासपुर संगठन की दुर्दशा पता नहीं पर गुटबाजी का असाध्य रोग संगठन को वेंटिलेटर से कोमा में पहुंच कर ही दम लगा।

जमीन संबंधी विवाद में आरोपियों का रिमांड पर भेजा गया

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा व अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आशीष कुंजाम, निरीक्षक सीआर चंद्रा के मार्गदर्शन में तत्काल कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश में दिनांक 16 जून 2024 को प्रार्थी हरिलाल कुर्रे, ग्राम शिवपुरी, पुलिस चौकी मोहरा, थाना डोंगरगढ़ में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराया जो जमीन विवाद और लड़ाई गाली-गलौच से संबंधित होने से मौके पर तस्दीक बाद अनावेदक के खिलाफ अपराध क्रमांक 240/24 धारा 294, 506, 323, 34, 139 विद्युत अधिनियम के तहत 4 आरोपियों कुशल लोधी, धनंजय लोधी, दुशासन लोधी, कोमल वर्मा को दिनांक 17 जून 2024 को रिमांड में माननीय कोर्ट डोंगरगढ भेजा गया। पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक प्रमोद श्रीवास्तव एवं समस्त टीम का सहयोग सराहनीय रहा।

खेत में काम नहीं करने पर फटकार, बेटे ने की मां की हत्या

राजनांदगांव (समय दर्शन)। मोहला-मानपुर जिले के औंधी क्षेत्र के अलकन्हार में एक महिला की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसके बेटे को गिरफ्तार किया है। खेत में काम नहीं करने की फटकार मात्र से भड़के युवक ने अपनी मां को मौत की नींद सुला दी। पुलिस के मुताबिक अलकन्हार की रहने वाली 60 वर्षीय सनियो लकड़ा अपने बेटे गणेश्वर लकड़ा को लेकर खेत में काम करने गई थी। महिला खेत में काम में व्यस्त थी, लेकिन उसका बेटा काम से जी चुरा रहा था। इससे नाराज होकर महिला ने अपने बेटे को काम नहीं करने पर डांटा।

शून्य माता मृत्यु का लक्ष्य रखते हुए फील्ड स्तर पर सुधारात्मक दिशा-निर्देशों के पालन हेतु कार्ययोजना बनायी जाए - कलेक्टर

जिला स्तरीय मातृ मृत्यु अंकेक्षण समिति की बैठक संपन्न

जिला चिकित्सालय के सामने 100 मीटर की परिधि पर निजी संस्थान की एम्बुलेंस होने पर होगी कड़ी कार्यवाही

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला स्तरीय मातृ मृत्यु अंकक्षण समिति की बैठक आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में अप्रेल एंव मई 2024 में अधिसूचित हुएं 4 माता मृत्यु प्रकरणों की समीक्षा की गयी।

कलेक्टर सुश्री चौधरी ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिले में शून्य माता मृत्यु का लक्ष्य रखते हुए फील्ड स्तर पर सुधारात्मक दिशा निर्देशों के पालन हेतु कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय के सामने 100 मीटर की परिधि पर निजी संस्थान के एम्बुलेंस नहीं रहना चाहिए। जिले में मातृ मृत्यु की रोकथाम के लिए फील्ड तथा संस्थागत् स्तर पर शत् प्रतिशत गर्भवती माता का पंजीयन, खतरे वाली माताओ का शीघ्र चिन्हांकन का प्रसव हेतु पूर्व से स्वास्थ्य केन्द्र का चिन्हांकन (मैपिंग) तथा संक्रमण रोकथाम प्रोटोकॉल का पालन किये जाने हेतु निर्देश दिये गये।

कलेक्टर ने प्रत्येक खतरे वाली गर्भवती माता का गर्भ जॉच स्त्री रोग विशेषज्ञ के द्वारा कराये जाने, खतरे वाली माताओं का प्रसव हेतु पूर्व से स्वास्थ्य केन्द्र का चिन्हांकन करने, प्रत्येक गर्भवती महिला का शीघ्र पंजीयन एवं 2 से अधिक बच्चे वाले लक्ष्य दंपत्तियों को परिवार नियोजन अपनाने हेतु परामर्श दिए जाने कहा है। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं को प्रत्येक माह की 9 एंव 24 तारीख को शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रों में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के दिन अनिवार्यत: जाँच कराने के निर्देश दिये है। समस्त निजी नर्सिंग होम/अस्पताल अपने संस्थान में आने वाली गर्भवती महिलाओं की जानकारी विभाग को प्रदान नहीं कर रहे हैं, इसके लिए कलेक्टर ने समस्त निजी नर्सिंग होम/अस्पताल को गर्भवती महिलाओं की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दिये जाने के कड़े निर्देश दिये है। समीक्षा में पाया गया कि निजी संस्थाओं के द्वारा अनावश्यक रूप से ऐसे गंभीर प्रकरणों को अपने यहां भर्ती किया जा रहा हैं, जिन्हें उच्च स्तरीय ईलाज की आवश्यकता होती हैं। इस हेतु निजी संस्थाओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिला चिकित्सालय के सामने निजी संस्थानों की एंबुलेन्स 100 मीटर की परिधि में नहीं रहना चाहिए। निजी एंबुलेंस जिला चिकित्सालय के सामने पाये जाने पर एसडीएम द्वारा वाहन की राजसात करने की कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर ने जिले के समस्त शासकीय एंव निजी अस्पतालों में प्रसव कक्ष एवं प्रसुति वार्ड में संक्रमण रोकथाम संबंधी प्रोटोकॉल का अनिवार्यत: पालन किए जाने के निर्देश दिए है। इस संबंध में चिकित्सकों की संस्था इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा एफओजीएसआई के साथ मिलकर मातृत्व स्वास्थ्य प्रसव स्वास्थ्य देखभाल तथा संक्रमण प्रोटोकॉल के विषय पर कार्यशाला आयोजित करने कहा है। अंतर्विभागीय समन्वय के साथ फील्ड स्तर पर प्रत्येक सप्ताह स्वास्थ्य विभाग की टीम, महिला बाल विकास विभाग एवं मितानिन की बैठक कर प्रत्येक गर्भवती महिला की ट्रेकिंग, गर्भावस्था में लिए जाने वाले पौष्टिक आहार शत-प्रतिशत संस्थागत् प्रसव एवं घर प्रसव रोकने के लिए समन्वय करते हुए बैठक किये जाने के निर्देश दिए है। इसके अलावा में जिले में खासकर शहरी क्षेत्र में घर प्रसव रोके जाने हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार कर संस्थागत् प्रसव शत-प्रतिशत किये जाने हेतु चर्चा की गयी।

गैंदाटोला पुलिस ने घोटिया में चलित थाना लगाकर ग्रामीणों को दी जानकारी

राजनांदगांव (समय दर्शन)। थाना गैंदाटोला द्वारा ग्राम घोटिया में चलित थाना अयोजित किया गया जिसमें उपस्थित ग्रामीणों के समस्याओं से रूबरू होकर समस्याओं का समझाईश देकर सुलझाया गया एवं चलित थाना में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, ग्रामीणों को आगामी 1 जुलाई 2024 को में लागू होने वाले नवीन कानूनों, महिला अधिकार, घरेलु हिंसा, लैंगिक अपराध, सायबर अपराध, साईबर सुरक्षा, पॉक्सो एक्ट, नये कानून कानून की जानकारी, कैरियर गाईडेंस के बारे में जानकारी दिया गया। नशा मुक्ति अभियान के तहत जानकारी देकर नारकोटिक्स, ड्रग्स, अवैध नशा से परिवार और समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से अवगत कराकर अपने आसपास एवं स्वयं को भी नशीले पदार्थों से दूर रखने तथा अपने घर परिवार व सामाज में भी नशे के दुष्प्रभाव से अवगत कराया गया।

फ्लाई ओवर में ट्रक पलटा, लाखों की बियर बोतल क्षतिग्रस्त

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के फ्लाई ओवर पर दुर्ग की ओर जा रहा बियर की बोतलों से भरा ट्रक बीती रात एक सड़क हादसे में पलट गया। एक वाहन को बचाने के चक्कर में ट्रक चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके चलते ट्रक पलट गया। हादसे में लाखों रुपए की बियर की बोतलें क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना की खबर के बाद पुलिस और आबकारी विभाग के अफसर मौके पर पहुंचे। नुकसान से बचे बियर के बॉक्स को दूसरे ट्रक में शिफ्ट किया गया। हादसे की पुलिस जांच कर रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक बयर की बोतलों से भरा ट्रक औरंगाबाद से दुर्ग के रास्ते ओडिशा जा रहा था। दुर्ग की ओर जाने के दौरान फ्लाई ओवर के ढलान पर एक वाहन को बचाने के दौरान बियर से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया।

बताया जा रहा है कि यह हादसा रात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुआ है। एक जानकारी के मुताबिक लगभग 40 फीसदी बियर के बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गए। ट्रक में लाखों रुपए का बियर लोड था। चालक औरंगाबाद से ओडिशा जाने के लिए निकला था। इस घटना से ट्रक में लोड बियर की बोतलें क्षतिग्रस्त हो गईं। आबकारी विभाग के मुताबिक 24 सौ केन ट्रक में लोड किए गए थे। हादसे में नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। इस घटना के बाद नेशनल हाईवे में यातायात बाधित हो गया था। ट्रक को किनारे करने के लिए क्रेन की सहायता ली गई। इसके बाद यातायात सामान्य हुई।

राज्य सरकार की विफलताओं पर कांग्रेस का धरना

बिलासपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी सरकार की नाकामियों और लचर कानून व्यवस्था के विरोध में समस्त जिला मुख्यालयों में आज कांग्रेस का प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन हुआ। बिलासपुर में यह धारणा जयसिंह अग्रवाल पूर्व राजस्व मंत्री, प्रभारी मंत्री जो आज के धरने के भी प्रभारी थे। के नेतृत्व में हुआ सभी वक्ताओं ने छत्तीसगढ़ में भाजपा के उसे नारे का जिक्र किया अब न साहबो बादल के रहबो, हमने बनाया है हम ही संवारेंगे। वक्ताओं ने कहा कि सत्ता संभालने के प्रथम दिन से डबल इंजन की यह सरकार दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है। पहले विधानसभा, फिर लोकसभा में जीत का डंका बजाने वाली भारतीय जनता पार्टी को आम आदमी के दुख से कोई सरोकार नहीं। कानून व्यवस्था, शिक्षा माफिया, महंगाई हर मोर्चे पर यह सरकार सफलता का कृतिमान बना रही है। देशभर में अपनी सफाई व्यवस्था और ट्रेनों के समय पर परिचालन के लिए नाम रखने वाला एसईसीआर जोन आज ट्रेनों के रद्द होने के लिए पहचान रखता है। धरने में जय सिंह अग्रवाल, विजय केसरवानी, विजय पांडे, रामशरण यादव, कोटा - मस्तूरी विधायक, प्रवक्ता अभय नारायण सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तोखन, साव पर अब बिलासपुर की पूरी जिम्मेदारी

बिलासपुर (समय दर्शन)। एक राज्य मंत्री पर न्यायधानी विकास की पूरी जिम्मेदारी, क्या तोखन जी के कंधे इतने सबल हैं....? 2003 में अजीत जोगी की सत्ता से विदाई हुई बिलासपुर को यह बड़ा झटका था क्योंकि वे उनकी विधानसभा बिलासपुर जिले में ही आती थी। अत: रायपुर में बिलासपुर जिले को सीएम का जिला माना जाता था।

भाजपा सरकार ने राजनांदगांव विधायक जिला राजनांदगांव के विधायक डॉ रमन सिंह सीएम बने जब वह पहली बार बतौर सीएम बिलासपुर आए तो उन्होंने कहा मैंने राज्य के खजाने की चाबी बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल को दे दी, अब इसके बाद में और कुछ नहीं दे सकता। खजाने की यह चाबी 10 साल तक बिलासपुर विधायक के पास रही आम जनता बेहतर जानती है बिलासपुर का विकास कैसा हुआ, जैसा हुआ उसका अंत यही है की 2018 में इसे खोदापुर का हैशटैग मिल गया। फ्लॉप योजनाओं की लंबी सूची असफल सिवरेज, जलावर्धन और हवाई यात्रा का झुनझुना। याद रखें चकरभाठा से 990 रुपए में उड़ान भरकर वहीं उतारना बिलासपुर का विकास था और इस विकास की गाथा को बिलासपुर विधायक सह मुंगेली विधायक ने पत्रकारों को लंच कर कर बताया।

इस बार भी जब 2023 का विधानसभा चुनाव हुआ बिलासपुर घोषणा पत्र के साथ बिलासपुर विधानसभा का घोषणा पत्र शायद पूरे प्रदेश का अकेला उदाहरण था। तभी तो चुनाव जीतने के बाद जब कभी भी विपक्षी नेताओं का शासन पर कटाक्ष होता है तो इस आधार बनाया जाता है। बिलासपुर, बिल्हा के सत्ता केंद्रों को एक तरफ रखते हुए भाजपा के हाई कमान ने एक सीएम, दो डिप्टी सीएम के समीकरण के तहत लोरमी जिला मुंगेली से अरुण साव को डिप्टी सीएम बनाया और इसे बिलासपुर की उपलब्धि माना जाए।

लोकसभा चुनाव में लोरमी जिला मुंगेली के तोखन साहू को टिकट मिला जिते और सब को विशेष कर रायपुर विधायक बृजमोहन को चिढ़ाते हुए राज्य मंत्री बन गए। जब उनका नगर आगमन हुआ तो शहर के नागरिकों का तो पता नहीं मीडिया को बिलासपुर का विकास पुरुष दिखाई दे गया। रेल, हवाई जहाज, स्मार्ट सिटी, उद्योग, हाई राइजिंग बिल्डिंग उम्मीद के पर लग गए और बिलासपुर में नोएडा, गुड़गांव एक्सप्रेस वे सब की उड़ान साकार होने लगी है। अब देखना है कि लोरमी से डिप्टी सीएम यही से भारत सरकार का शहरी विकास राज्य मंत्री अपनी विधानसभा जिला के ऊपर बिलासपुर को कितना प्राथमिकता देते हैं।

बाजार में सब्जी पसरा लगाने वाले कचरा फैलाए तो भरना पड़ेगा जुर्माना, सफाई को लेकर नगर पंचायत सजग, सीएमओ ने साप्ताहिक बाजार में घूम घूम कर दी समझाइश

पाटन। नगर पंचायत पाटन के सीएमओ और कर्मचारियों ने आज मंगलवार को स्साहिक बाजार का निरीक्षण किया। इस दौरान सब्जी पसरा लगाने वाले को कचरा न फैलाने के निर्देश दिए। बाजार समाप्त होने के बाद जब जाए तो कचरा को एकत्र करके जाए। कचरा फैलाने वाले सब्जी पसरा लगाने वालो पर कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। आज 18/06/2024 को नगर पंचायत पाटन के साप्ताहिक बाजार में मुख्य नगर पालिका अधिकारी सौरभ बाजपेयी द्वारा सब्जी व्यवसायिक द्वारा कचरा न फैलाने एवम बाजार समाप्ति के बाद कचरे को एकत्रित करने की समझाइश दी गई। साथ ही पॉलीथीन का उपयोग न करने को कहा गया।

|| न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ||

// ईश्तहार //

रा.प्र.क./ 14/31-20(3) / वर्ष 2023-24

आवेदक चित्तोरंजन पंडा आ. स्व. बृन्दाबन पंडा निवासी आमदी नगर हुडको भिलाई द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि आमदी नगर हुडको भिलाई स्थित नजूल भूमि ख.न 1/2, 2/2 भूखंड क्र. एम.आई.जी. 2/421 क्षेत्रफल 160 वर्गमीटर भूमि धारक एस.जी.पाटणकर पिता गोविन्द पाटणकर नि. आमदी नगर हुडको भिलाई के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। धारक द्वारा उक्त भूखण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक 20.02.2024 द्वारा क्रेता चित्तोरंजन पण्डा आ. स्व. वृन्दावन पण्डा के पक्ष में विकय पत्र निष्पादित किया है। आवेदक द्वारा उक्त विक्रय पत्र के आधार पर प्रश्नाधीन भूखंड से धारकगण का नाम विलोपित कर क्रेतागण का नाम नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04-07-2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 13-6-24 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी 3किया गया।

नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग

मुहर

|| न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ||

// ईश्तहार //

ई/सी. 202406103800033
रा.प्र.क./ /अ-20(1)/वर्ष 2023-24

आवेदक नरेन्द्र राठी आ. स्व. बृजमोहन राठी निवासी वार्ड 36 गंजपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट कं. 20 सी प्लाट नं. 26/2 क्षेत्रफल 29.13 वर्गमीटर भूमि धारकगण नरेन्द्र राठी, रविन्द्र राठी, हेमंत राठी आ. बृजमोहन राठी नि. गंजपारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के पट्टे की अवधि दिनांक 31.03. 2002 को समाप्त हो चुकी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखंड के पटटे का नवीनीकरण आगामी वर्षो के लिए किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2024 को मेरे खयं बो-हस्वाक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी दुर्ग

मुहर

|| न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ||

// ईश्तहार //

ई/सी. 202406103800034
रा.प्र.क./ / अ-20(1) / वर्ष 2023-24

आवेदक नरेन्द्र राठी आ. स्व. बृजमोहन राठी निवासी वार्ड 36 गंजपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट कं. 20 सी प्लाट नं. 26/1 क्षेत्रफल 27.87 वर्गमीटर भूमि धारकगण नरेन्द्र राठी, रविन्द्र राठी, हेमंत राठी आ. बृजमोहन राठी नि. गंजपारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के पटटे की अवधि दिनांक 31.03. 2002 को समाप्त हो चुकी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखंड के पटटे का नवीनीकरण आगामी वर्षो के लिए किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया। (मुहर)

नजूल जांच अधिकारी दुर्ग

मुहर

|| न्यायालय नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.) ||

// ईश्तहार //

ई/सी. 202406103800035
रा.प्र.क./ /अ-20(1)/वर्ष 2023-24

आवेदक नरेन्द्र राठी आ. स्व. बृजमोहन राठी निवासी वार्ड 36 गंजपारा दुर्ग द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया है कि दुर्ग स्थित नजूल भूमि शीट क्र. 20 सी प्लाट नं. 25/2 क्षेत्रफल 40 वर्गमीटर भूमि धारकगण नरेन्द्र राठी आ. बृजमोहन राठी नि. गंजपारा दुर्ग के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूखण्ड के पटटे की अवधि दिनांक 31.03.2002 को समाप्त हो चुकी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखंड के पट्टे का नवीनीकरण आगामी वर्षो के लिए किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव एतद् द्वारा सर्व साधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा या आपत्ति हो, तो प्रकरण की सुनवाई दिनांक 04.07.2024 को या इसके पूर्व इस न्यायालय में स्वतः या किसी व्यक्ति अथवा अधिवक्ता के द्वारा जिसे भू-खंड संबंधी जानकारी हो आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत किया जावे अथवा करवाया जावे। नियत तिथि पश्चात प्राप्त आक्षेप/आपत्ति पर कोई कार्यवाही नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2024 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया।

नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग

मुहर

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग मामले की श्रेणीः राजस्व

// ईश्तहार //

संदर्भः जिला दुर्ग तहसील-दुर्ग
प.ह.न.-00049 रिसाली ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक-
आरडी 202324430104800156

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00049 के अंतर्गत ग्राम रिसाली के वर्तमान भूमिस्वामी दविंदर बोबल पिता/पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461, वीर कुमार राजपूत पिता/ पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461, वीर राजेंद्र राजपूत पिता/ पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461, सीता देवी राजपूत पिता /पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461 के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 272/54(0.0030) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता वीर राजेंद्र राजपूत पिता/ पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. पिता/ पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461, सीता देवी राजपूत पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी 461, दविंदर बोबले पिता/पति-स्व. मदनलाल पता-मिनी एल.आई.जी. 461 के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 28/06/2024 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार दुर्ग पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपति स्वयं / अधिवक्ता / आम मुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 13/06/2024 को जारी किया जाता है।

न्यायालय तहसीलदार, दुर्ग, जिला दुर्ग

मुहर

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग जिला दुर्ग / /

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./202406103300004/ब-121

आवेदिका श्रीमती चेतना देशमुख पति स्व. प्रदीप कुमार देशमुख निवासी ग्राम- आबादीपारा पीसेगांव तहसील व जिला दुर्ग एवं वर्तमान पता ग्राम- फुलझर वार्ड नंबर 05 जिला राजनांदगांव के द्वारा स्व. प्रदीप कुमार देशमुख पिता स्व. गेदलाल देशमुख, कार्यालय सेनानी 18वी (वि.भा.र.) वाहनी छ.ग. बल चैनपुर जिला मनेन्द्रगढ़- चिरमिरी-भरतपुर (छ.ग.) मे आरक्षक ट्रेड 971 के पद पर कार्यरत थे जिनकी मृत्यु दिनांक 03/12/2003 को हो गई है। यह कि प्रदीप कुमार देशमुख के कुल 03 वारिसान है। 1. श्रीमती चेतना देशमुख 02 छयांस देशमुख 03 गेंद सिंह देशमुख इसके अतिरिक्त कोई वारिसान नही है। स्व. प्रदीप कुमार देशमुख की मृत्यु सेवाकाल के दौरान होने के कारण आवेदिका को उनके पेंशन एवं अन्य सत्व अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त करने हेतु वारिसान प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। उक्त आवेदन पत्र संबंधित दस्तावेजों को संलग्न कर इस न्यायलय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त विषय पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथी दिनांक 25/06/2024 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथी के बाद प्राप्त आवेदन पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 05/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

जारी दिनांक :- 05/06/2024
पेशी दिनांकः 25/06/2024

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग

// न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग जिला दुर्ग / /

// उद्घोषणा-पत्र //

रा.प्र.क्रं./202405103000035 /अ-27/2022-23

एतद द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है। आवेदक / आवेदिका हेमलाल पिता कुंवर सिंह निवासी कचांदुर तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम. कचांदुर स्थित भूमि खसरा नंबर 391, 405 रकबा 0.6300, 0.4300 हे. भूमि जो कि आवेदक एवं अन्य सहखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के अंश के आधार पर खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह पेशी दिनांक 13/6/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 29/5/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

जारी दिनांक :- 29/5/2024
पेशी दिनांक 13/6/2024
अति तहसीलदार, दुर्ग

मुहर

संक्षिप्त-खबर

जिला प्रशासन कलेक्टर राहुल देव की निर्देश पर अवैध रेत उत्खनन व परिवहन के मामले में सात ट्रैक्टर-ट्राली जब्त कर की कार्यवाही

मुंगेली (समय दर्शन)। मुंगेली कलेक्टर के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर मुंगेली जिला मुख्यालय अंतर्गत पथरिया विकासखंड के ग्राम पंचायत मदकू में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के मामले में कार्यवाही की गई। जिसमें सात ट्रैक्टर-ट्राली को मौके पर जब्त कर थाना सरगांव में सुपुर्द किया गया वहीं

एसडीएम पथरिया बी. आर. ठाकुर ने बताया कि ग्राम मदकू में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जानकारी मिलने पर संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई है। जिसमें दो ट्रैक्टर-ट्राली के साथ चार ट्रॉली एवं एक ट्रैक्टर लावारिस हालत में पाया गया, जिसे जप्त कर थाना सरगांव के सुपूर्द किया गया है। जिला खनिज अधिकारी श्रीमति ज्योति मिश्रा ने बताया कि उपरोक्त प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जानकारी मिलने पर आगे भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

तेल्हा नाला के साथ ही अन्य छोटे-बड़े नालो का गहरीकरण एवं चौड़ीकरण का कार्य शीघ्रता से जारी

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र के निवासियो को बरसात के समय पानी भराव की समस्या को रोकने के लिए नालो का सफाई अभियान शुरू किया गया है। प्रमुख रूप से तेल्हा नाला जिसमें आकर छोटे बड़े अन्य नाले मिलते है। नाले के गहरीकरण एवं चैड़ीकरण में बाधित अतिक्रमण को हटाने की कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में विवेकानंद नगर, बैकुण्ठधाम, सुन्दर नगर, पीताम्बर साईकल स्टोर्स, गौरव पथ, जलेबी चौंक, विकास पारा नाला, रामनगर, वृन्दानगर के बीच का नाला, नंदनी रोड, संत रविदास नगर, छावनी थाना परिसर, लाल मैदान, भगत सिंह चौंक, जय किराना स्टोर्स के पास तक की मुख्य एवं छोटे बड़े व चैड़े नालो के तली से सफाई की जा रही है। जिससे किसी प्रकार का कचरा आकर उसमे न फसें, वर्षा का पानी सुचारू रूप से निकल सके। कुछ परिवार ऐसे है जिनके द्वारा नाले के उपर अतिक्रमण करके कब्जा कर लिया गया है। बार-बार सूचना देने के बाद भी नहीं हटाया जा रहा है। ऐसे अतिक्रमण को नगर निगम भिलाई द्वारा तोड़कर साफकिया जा रहा है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर यह भी ध्यान दिया जा रहा है कि सफाई के साथ-साथ जो कचरा निकल रहा है, उसे तुरंत डम्फर द्वारा हटाने का कार्य भी किया जा रहा है।

आंधी से गिरा झाड़,एक घंटे यातायात बाधित

गरियाबंद (समय दर्शन)। गरियाबंद देवभोग मार्ग नेशनल हाइवे 153 सी में तेज आंधी के चलते एक बड़ा झाड़ सड़क में गिर गया,जिससे लगभग एक घंटा यातायात बाधित रहा।ज्ञात हो कि थाना मैनपुर और धवलपुर कैंप के बीच में आज दोपहर को पेड़ गिर जाने से आवागमन की साधन अवरोध हो गया था जिसमें थाना मैनपुर के प्रभारी और स्टाफ के साथ धबलपुर कैम्प के प्रभारी और स्टाफ द्वारा मौके पर जाकर के पेड़ को हटाकर आवागमन के साधन को बिना अवरोध के संचालित किया गया।

अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये विजुअल पुलिसिंग के तहत निकाला फ्लैग मार्च

राजनांदगांव(समय दर्शन)। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) मुकेश ठाकुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा के मार्गदर्शन में नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र नायक के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली एमन साहू द्वारा कोतवाली एवं रक्षित केन्द्र के बल के साथ मोटर सायकल से फ्लैग मार्च निकाला गया। थाना कोतवाली परिसर से निकलते हुये लखोली, कन्हारपुरी, कंचनबाग, गौरीनगर, स्टेशनपारा, शांति नगर, चिखली, तुलसीपुर का भ्रमण कर वापस थाना पहुंची। मोटर सायकल फ्लैग मार्च के दौरान संदिग्धों से पूछताछ की गई।

नगर निगम टैक्स वसूली अभियान ने पकड़ा जोर, पहली बार जून माह के एक ही दिन में रिकार्ड तोड़ वसूली 17 लाख से अधिक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर राजस्व विभाग के टैक्स वसूली में जून माह में बेहतर प्रदर्शन करते हुए टैक्स वसूली हेतु अभियान छेड़ दिया है।राजस्व विभाग की कार्रवाही अभियान घर-घर करदाताओं के दस्तक देकर टैक्स वसूली अभियान ने जोर पकड़ा है।

एक दिन में 17 लाख रुपए से अधिक निगम कोष में जमा हुए।आर्थिक गतिविधियों के बीच नगर निगम के राजस्व अधिकारी दुर्गेश गुप्ता एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर के नेतृत्व में एक दिन में निगम को 17 लाख से अधिक रुपए मिले।नगर निगम ने करों की बकाया वसूली के लिए छुट्टी को भी अभियान चलाया।सभी 60 वार्डों में कर्मचारी दिन भर वार्डों में घूमे। माह 17 जून तक का कुल वसूली 5926053 लाख रुपये से अधिक और आज 18 जून के एक दिन की वसूली राशि 1762577 रुपये से अधिक की राशि वसूली की।आज सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा वार्ड 55 सुमित बाजार के द्वारा कल की तारीख में टैक्स की राशि जमा करने की बात कही एवं पुलगांव कपड़ा मार्केट के पदाधिकारियों के साथ बैठक किया गया।समस्त व्यापारी संघ द्वारा 25 जून 2024 को एक साथ टैक्स देने में सहमति बनाई गई है।अधिकारी द्वारा

लगातार बड़े बकायादारों से संपर्क किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि ऐसे बड़े बकायादारों को आज नोटिस बनाकर जारी करने के निर्देश दिए।उसकी सूची उपलब्ध करवाने को कहा।

उन्होंने टैक्स वसूली जायजा के दौरान स्टेट बैंक में बैंक प्रबंधन से मुलाकात कर टैक्स जमा करने की अपील किये, प्रबधंक द्वारा सात दिवस के भीतर टैक्स जमा करने का आश्वासन दिया है।वार्ड 28 अजीज पोल्ट्री फार्म में 2017 से आज तक लंबित राशि 113582/- रुपये का भुगतान करने कहा गया।उनके द्वारा क़िस्त में राशि जमा करने का आश्वासन दिया है। आर्थिक स्थिति ठीक न होने पर निगम द्वारा उनको 5 क़िस्त राशि जमा करने की बात कही।जायजा लेने पहुचे बोरसी क्षेत्र के करदाता निगम की टीम को बुलाकर पिछले 3 वर्षों का बकाया जलकर का भुगतान करने की बात कही। साथ ही बोरसी जोन कार्यालय में करदाता द्वारा टैक्स की राशि के साथ 3 साल के जलकर भी जमा किये।सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर द्वारा वसूली की नियमित मानीटरिंग भी की जा रही है।

निगम प्रशासन द्वारा आने वाले दिनों में 150 से अधिक बड़े बकायादारों के नामों की सूची को सार्वजनिक कर टैक्स वसूली के लिए उन्हें नोटिस भी जारी किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि नगर निगम द्वारा - संपत्तिकर के साथ-साथ जलकर वसूली को लेकर भी योजना बनाई जा रही है। निगम क्षेत्र में करीब 8,500 ऐसे करदाता हैं, जिनके घरों में नगर निगम का नल लगा हुआ है, लेकिन वे जलकर का भुगतान नहीं कर रहे हैं।निगम प्रशासन द्वारा जलकर नहीं पटाने वाले हितग्राहियों के नामों की सूची वार्ड वार तैयार कर ली गई है। इनसे भी जलकर वसूली की जानी है।उन्होंने जानकारी में बताया कि नगर निगम के पास लगभग 7000 करदाताओ का डिमांड बिल तैयार।डिमांड बिल बाटने के लिए नोटिस गैंग टीम बनाने की तैयारी में राजस्व अमला।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी सहायक राजस्व निरीक्षक वार्डो में घूम-घूम कर करदाताओं से लगातार सम्पर्क कर रहे है।करदाताओं को 30 जून 2024 तक टैक्स की राशि जमा करने पर 6त्न का भारी छूट मिलेगा।उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि दिए गए लक्ष्य से कम वसूली वाले सहायक राजस्व निरीक्षक को नोटिस दिया गया है। साथ मे सुबह 9 बजे से वार्ड में रहकर कार्य करने निर्देशित किया गया है। सहायक राजस्व निरीक्षकों की मॉनिटरिंग हेतु फ़ोटो सिस्टम चालू किया गया है। जिससे हर घंटे कर्मचारी अपने वार्डो से ग्रुप में फ़ोटो भेजेगे।इनके कार्यो का रिपोर्ट तैयार करने ओपरेटर की ड्यूटी भी लगाई गई है।

संत कबीर जी की वाणी मानव समाज को नई दिशा प्रदान की-अशोक साहू

कबीर सत्संग समिति एवं समस्त ग्रामवासी भनसूली ने मनाया कबीर प्राकट्य दिवस!

रानीतराई (समय दर्शन)। ग्राम भनसूली(के)में कबीर सत्संग समिति एवं ग्रामवासी के तत्वाधान में कबीर प्राकट्य दिवस का आयोजन किया गया।

सुबह 10 बजे शोभायात्रा,11 बजे से सत्संग भजन के पश्चात भोजन प्रसादी वितरण किया गया। मुख्य वक्ता कबीर आश्रम की साध्वी सुमन साहेब,श्रेष्ठा साहेब ने सत्संग प्रवचन,भजन के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किए।

आमीन माता महिला मंडल रामनगर भिलाई के द्वारा सत्संग,भजन,अनुराग सागर ग्रंथ की प्रस्तुति किया गया। अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग ने महान संत

कबीर जी ने मध्यकालीन भारत में सामाजिक,धार्मिक और आध्यात्मिक जीवन पहलुओं में अमूल्य योगदान दिया।उनके दोहे आज भी प्रासंगिक है।उन्होंने समाज में व्याप्त अंधविश्वास,रूढ़िवाद,पाखंड का घोर विरोध किया।उनके बताए रास्ते में आज हम सबको चलने की आवश्यकता है।

दिनेश साहू सभापति ने कबीर दास सत्य के सिद्धांत को मानने वाले थे।सात्विक आचार विचार से हम सबको स्वच्छ तन मन की प्राप्ति होती है। कबीर आश्रम के मुख्य दानदाता द्वारिका साहू का सम्मान किया गया। सतसंग समिति के पुरोधाओं का भी सम्मान शाल श्रीफल से किया गया। मंच संचालन धनंजय साहेब एवं आभार पूरन दास साहेब ने किया। इस अवसर पर किशोर साहू,गैंदलाल डहरिया पूर्व जप,के के साहू,शीतल दास साहू,बिसौहा बढ़ई,भारत साहू,श्याम लाल साहू,धनंजय साहू,बंधु साहू,गंगा साहू,महेश साहू,झाड़ू साहू, बिसहत निर्मल,देवेंद्र मंडल, डा हेमंत साहू, रजऊ साहेब,गोमती साहू, उषा साहू, बाहरीन साहू,भोला साहू,तारा साहू,इंडिया यादव, पुना बाई निर्मल, बालमकुंद, मन्ना पटेल,याद राम बढ़ई, दिलीप साहू,गुहलेद यादव, उमाशंकर साहू,महेंद्र हिरवानी,नेत राम साहू,जगदीश साहू,बाहरू निर्मल, छितकू साहू,नरेश साहू,रामदयाल साहू,भुवन साहू शिक्षक,उधो साहू,लक्ष्मीनारायण साहू सहित कबीर अनुयायी भारी संख्या में उपस्थित थे।

सरकारी समिति कर्मचारी का धरना, खाद,बीज,ऋण लेने भटके किसान

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ सरकारी समिति कर्मचारी महासंघ रायपुर पंजीयन क्रमांक 6685 प्रांतीय संगठन द्वारा 18 जून 2024 को धरना स्थल तुता रायपुर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन व ज्ञापन आयोजित किया गया था।जिसमें पूरे छत्तीसगढ़ से 24-25 जिला अध्यक्षों,प्रदेश पदाधिकारी गण बस्तर से कोरिया तक हजारों की संख्या में पहुंचे हुए थे।ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ शासन को महासंघ द्वारा निरंतर मांगों को लेकर मांग पत्र सौंपा गया था।परंतु मांगो पर कोई गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। जिसके चलते सहकारी समिति के कर्मचारियों को हल्ला बोलने मजबूर कर दिया।इस प्रदर्शन में उनके द्वारा तीन मांगे रखी गई,जिसमें से समिति के कर्मचारियों को प्रतिवर्ष राज्य कर्मचारीयो भांति वेतनमान,महंगाई भत्ता देने हेतु 5--5 लाख प्रबंधकीय दिया जावे।दूसरी मांग धान खरीदी पर सुखद देते हुए धान खरीदी नीति के परिवर्तन किया जाए ,प्रासंगिक सुरक्षा व कमिशन की राशि को बढ़ोतरी करें।यदि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान खरीदी नीति में आवश्यक संशोधन सुखत आदि का प्रावधान नहीं करती है तो आने वाले खरीफ वर्ष में धान खरीदी का बहिष्कार करने की बात कहे,वही तीसरी मांग सेवा नियम 2018 की आंशिक संशोधन किया जा कर समिति के कर्मचारियों को बैंक के खाली पदों पर लिया जाए,वेतन भत्ता में भी बढ़ोतरी किया जाए।इन तीनों मांगों को लेकर पूरे जिले सहित छत्तीसगढ़ से लगभग 6000 से 7000 कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति धरना स्थल में दिया है।जिसमें प्रमुख रूप से बस्तर से सुभाष विश्वास,मन-बहल नारायण पुर,संतोष साहू कोंडागांव,उत्तम सेठिया जगदलपुर,कोरिया से अजय साहू,जांजगीर चांपा से गोविंद मिश्रा उपाध्यक्ष ,दुर्ग से जागेश्वर साहू कोषाध्यक्ष ,महासचिव राजनंदगांव ,खैरागढ़ यशवंत वर्मा,गरियाबंद से प्रमोद यादव,रामलाल साहू उपाध्यक्ष,गरियाबंद ध्वजाराम साहू बलोदा बाजार, प्रभाकर शंकर मिश्रा गरियाबंद,रायपुर से जय कुमार सपसा,विजय ठाकुर आदि उपस्थित थे।

21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी इस बार शांति नगर दशहरा मैदान फूटबाल ग्राउण्ड में शुरू,

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई में 21 जून को दशम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग कार्यक्रम का आयोजन शांति नगर दशहरा मैदान फूटबाल ग्राउण्ड समय प्रात: 6 से 7 बजे के मध्य होगा। इसमें सामाजिक, धार्मिक, अध्यात्मिक, जनप्रतिनिधि, छात्रो, खिलाड़ी, योगा आचार्यो एवं नागरिको की उपस्थिति में होगा। इस कार्य हेतु आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दायित्व सौंपे है।

नगर पालिक निगम भिलाई के अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी नोडल अधिकारी होगें। जोन आयुक्त येशा लहरे, सहायक अभियंता अरविंद शर्मा, उपअभियंता बसंत साहू, रीमा जाम्भुलकर, विजेन्द्र गुप्ता को मंच, चादर, माईक, मेट, कुर्सी, टेबल, गुलदस्ता, माला व्यवस्था सौंपा गया है। स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द मिश्रा एवं सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मिश्रा को मैदान की साफ-सफाई के साथ शौचालय व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है। जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, प्रभारी अधिकारी परियोजना रीता चतुर्वेदी, डाटा एन्ट्री ऑपरेटर शरद दुबे, स्टेनो टायपिस्ट संजय शर्मा, मिशन मैनेजर अमन पटले को प्रचार-प्रसार, विडियोग्राफी, जनप्रतिनिधयों, शैक्षणिक संस्थानो, प्रशिक्षको, छात्रो, स्काउट गाईट, एन.सी.सी., खिलाड़ी, सामाजिक संगठनो आदि को आमंत्रित करने के साथ निगम भिलाई की ओर से प्रशिक्षको को मोमेन्टो बाटने का दायित्व सौंपा गया है। कार्यपालन अभियंता कुलदीप गुप्ता को मंच निर्माण, बैनर पोस्टर, स्वलपाहार का कार्य सौंपा गया है। इसी प्रकार स्वच्छता पर्यवेक्षक पलाश वैद्य को चिकित्सीय (एम.एम.यू.) व्यवस्था का कार्य सौंपा गया है। महापौर नीरज पाल ने अवहान किया है, कि बड़े ही गर्व की बात है पुरी दुनिया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना रही है। आईये हम सब मिलकर शांति नगर दशहरा मैदान फूटबाल ग्राउण्ड में योग करे निरोग रहे।

विश्व सिकल सेल दिवस: 19 जून को आयोजित होंगे जन जागरूकता शिविर

मुंगेली (समय दर्शन)। 19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इस अवसर पर जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों, आश्रम, छात्रावास तथा आवासीय विद्यालयों तथा मोबाईल मेडिकल यूनिट के माध्यम से आदिवासी अंचल के दूरस्थ ग्रामों में सिकलसेल रोग की पहचान, निदान एवं रोकथाम के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता कार्यक्रम एवं सिकलसेल रोग परीक्षण एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र पैकरा ने बताया कि विश्व सिकलसेल दिवस के अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में जिला, विकासखंड, पंचायत एवं ग्रामीण स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सी. एम. एच. ओ. डॉ. पैकरा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को कार्य एवं दायित्व सौंपे गए हैं।

अडानी जैसे महाभ्रष्ट कॉरपोरेट घराने के हित में छत्तीसगढ़ के हसदेव जंगल को बदस्तुर उजाड़ा जा रहा - पटेल

जनसंघर्ष मोर्चा छत्तीसगढ़ ने हो रही विभिन्न घटनाओं पर चिंता व्यक्त कर राज्यपाल के नाम सौपा ज्ञापन

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा (मज़दूर कार्यकर्ता समिति) के कलादास ढहरिया ने कहा कि 10 जून 2024 को बलौदा बाजार मे जो घटना घटित हुई उसको लेकर हम सब चिंतित हैं। हिंसा कही भी हो किसी भी तरफ से हो जन संघर्ष मोर्चा उसका विरोध करता है । कुछ भड़काऊ सांप्रदायिक निहित स्वार्थी तत्वों के उकसावे में जिला प्रशासन के मुख्यालय में हुए तोड़फोड़ के बाद सतनामी समाज के निर्दोष लोग पुलिसिया दमन का शिकार हो रहे हैं। कुल मिलाकर इस मामले में राज्य सरकार की कमजोरी के कारण ये घटना घटी है ।

भिलाई के चंद्रभान ठाकुर ने

कहाँ कि गौ तस्करी के नाम पर गौगुंडों ने 6 जूंन की रात आरंग थाना क्षेत्र मे उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के तीन मुस्लिम युवाओ के साथ जो की मवेशी ले जा रहे थे, पर जानलेवा हमला किया और दो मुस्लिम युवको को पीट पीट कर मार डाला ।गुंडों के तांडव से एक मुस्लिम युवक मृत्यु शैय्या पर है।भाजपा सरकार ने इस घटना पर चुप्पी साध ली है ये संविधान,बंधुता,मानवता,शांति और समानता के लिए खतरा हैं।

सविता बौद्ध ने कहा कि बेमेतरा के पीरदा बारूद ब्लास्ट मे आज तक मजदूरों को न्याय नही मिला। अपराधी पूंजीपतियों पर सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। क्योंकि ये सरकार है ही कॉरपोरेट पूंजीपतियों की।

पीरदा बारूद ब्लास्ट मे मृत मजदूरों की लाशें नहीं मिली। 30 लाख मुआवजा देकर पीड़ितों के परिवारजनों को चुप कराने की कोशिश की गई है ।जबकि मृत परिवार के सदस्य को अतिशीघ्र शासकीय नौकरी मिलनी चाहिए। वही घायलों को कुछ भी नही मिला। अपने खुद के खर्च से इलाज करा रहे हैं ।घायलों के घर प्रबन्धन का कोई पूछने तक नहीं गए।

संदीप पटेल ने कहाँ अडानी जैसे महाभ्रष्ट कॉरपोरेट घराने के हित में छत्तीसगढ़ के हसदेव जंगल को बदस्तुर उजाड़ा जा रहा है।बस्तर के आदिवासीयो की झूठे मुठभेड़ में हत्याएं ,गिरफ्तारियां जारी हैं। धर्मांतरित ईसाइयों जिसमें विश्वासी आदिवासी भी शामिल हैं के उपर धर्म परिवर्तन के नाम दमन चक्र चल रहा है। लोइमु से सुरेंद्र मोहंती भिलाई इस्पात संयंत्र की अधिपत्य भूमि से नगर सेवाएं विभाग, संपदा न्यायालय का हवाला देकर तोड़ू दस्ता के माध्यम से गरीब मेहनतकश ,दलित, आदिवासी, मुलनिवासीयो की एकतरफा बेदखली की कार्यवाही कर रही है। इस पर तुरंत रोक लगनी चाहिए।

लेखिका एवं सामाजिक कार्यकर्ता अरुंधती रॉय और डॉ शेख़ शौक़ता हुसैन के ख़िलाफ़ यूएपीए के तहत किए गए मुक़द्दने रद्द करने की भी माँग आज की गई । जन संघर्ष मोर्चा छत्तीसगढ़ की ओर से वि. एन. प्रसाद राव,लाखन सुबोध,एडवोकेट शाकिर कुरैशी, सौरा यादव,कलादास डेहरिया,सविता बौद्ध, चंद्रकला तारम,नीरा डहरिया,तुहिन देव आदि थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक- दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय-0771-4218364 ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, पंजी. क्र. CHHHIN/2011/41517, डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26